▸▸ वर्ष : 36 ▸▸ अंक : 239 ▸▸ मुंबई, मंगलवार, 10 नवंबर 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

सीजेपी नेता दीपके ने क्या कहा?



कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ता अभिजीत दीपके ने भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव हारने के बाद मुख्यमंत्री दूध सहकारी संस्था पर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। दीपके ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुख्यमंत्री दूसरों को अराजकतावादी कहते हैं। लेकिन खुद दुग्ध सहकारी संस्था का चुनाव हारने के बाद वे जनता के फैसले को स्वीकार करने के बजाय अपनी ताकत का इस्तेमाल करके 'जबरन कब्जा' करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जनता के जनादेश को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। दीपके ने विरोध में सड़कों पर उतरे कोल्हापुर के लोगों की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, जो लोग जनता के फैसले को कुचलते हैं और सत्ता पर कब्जा करने की कोशिश करते हैं, असली अराजकतावादी वही हैं। दीपके ने महाराष्ट्र में चुनाव कराने के तरीके पर भी सवाल उठाए। उन्होंने मुख्यमंत्री फडणवीस और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का जिक्र किया। उन्होंने कहा, अगर दुग्ध सहकारी संस्था के चुनाव में भी जनता के जनादेश को चुराने की कोशिश की जा रही है, तो सोचिए कि (मुख्य निर्वाचन आयुक्त) ज्ञानेश कुमार की मदद से राज्य स्तर के चुनावों में क्या-क्या हो रहा होगा।



कांग्रेस को लगा झटका

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

गोकुल दूध संघ के अध्यक्ष पद के चुनाव में महाराष्ट्र सरकार की ओर से नियुक्त चार सरकारी निदेशकों को मतदान का अधिकार देने के फैसले पर रोक लगाने की कांग्रेस नेता सतेज पाटिल की मांग बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) पीठ ने सोमवार को खारिज कर दी। अदालत ने चारों निदेशकों को मतदान की अनुमति देते हुए उनके मतों की पेटी अलग रखने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अध्यक्ष पद का चुनाव तय कार्यक्रम के अनुसार 10 नवंबर को होगा।

कांग्रेस का आरोप

कांग्रेस ने सोमवार को महाराष्ट्र की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। पार्टी ने कहा कि सरकार कोल्हापुर के गोकुल दुग्ध संघ पर कब्जा करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस का आरोप है कि सहकारी संस्था का चुनाव हारने के बाद भाजपा ने मतदान के नियम बदल दिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस ने एक पोस्ट किया। पार्टी ने दावा किया कि गोकुल से जुड़े दुग्ध उत्पादक राज्य सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। उनका आरोप है कि सरकार चुनाव में मिले जनादेश को पलटने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस ने कहा कि गोकुल दुग्ध संघ के चुनाव में उसके पैनल ने 25 में से 13 सीटें जीती थीं। वहीं, भाजपा के पैनल को 12 सीटें मिली थीं। लेकिन पार्टी का आरोप है कि सरकार ने बाद में नियम बदल दिए। चार निदेशकों को मतदान का अधिकार दे दिया। इससे भाजपा पैनल की संख्या 12 से बढ़कर 16 हो गई। कांग्रेस ने कहा, इस हार से निराश होकर भाजपा सरकार ने नियम बदल दिए। सरकार ने चार निदेशकों को मतदान का अधिकार दे दिया। इससे भाजपा की सीटें 12 से बढ़कर 16 हो गईं। पार्टी ने इसे जनता के जनादेश की चोरी बताया। कांग्रेस ने कहा कि महाराष्ट्र के किसान भाजपा को माफ नहीं करेंगे।

वीडियोग्राफी के निर्देश, नतीजा अंतिम फैसले के अधीन

गोकुल दूध संघ के अध्यक्ष पद का चुनाव 10 नवंबर को सुबह 11 बजे शिरगांव स्थित मुख्य कार्यालय में होगा। अदालत ने पूरी चुनाव प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने का भी निर्देश दिया है। हालांकि, चुनाव का अंतिम परिणाम हाईकोर्ट के अंतिम फैसले के अधीन रहेगा। मामले की अगली सुनवाई 25 नवंबर 2026 को होगी।

महायुति को मिल सकता है चार मतों का फायदा

गोकुल दूध संघ की 25 सीटों के चुनाव में सतेज पाटिल के नेतृत्व वाले कांग्रेस पैनल ने 13 सीटें जीती हैं, जबकि महायुति को 12 सीटें मिली हैं। अब सरकार की ओर से नियुक्त चार निदेशकों को मतदान की अनुमति मिलने से महायुति के पक्ष में कुल 16 मत होने की संभावना है। इससे अध्यक्ष पद के चुनाव में महायुति की स्थिति मजबूत हो सकती है।

- सरकारी निदेशकों को वोट की अनुमति, सतेज पाटिल की याचिका खारिज
- बॉम्बे हाईकोर्ट ने चारों निदेशकों के मत अलग रखने का दिया आदेश
- कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया जनादेश पलटने का आरोप
- 10 नवंबर को तय कार्यक्रम के अनुसार होगा अध्यक्ष पद का चुनाव

अमेरिकी कंपनी के सीईओ का हुआ हनीट्रैप

- एनवीडिया के सीईओ ने चीनी महिला से संबंधों की बात स्वीकारी
- पत्नी और बच्चों से मांगी माफी, कंपनी के निदेशक मंडल ने शुरू की स्वतंत्र जांच
- अमेरिका में हलचल, आरोपों पर चीन ने भी दी सफाई

एजेंसी | वॉशिंगटन

एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग ने एक चीनी महिला कारोबारी के साथ संबंध होने और पत्नी के प्रति बेवफाई करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने अपने इस कदम से परिवार को पहुंची तकलीफ के लिए पत्नी और बच्चों से माफी मांगी है। इस बीच, एनवीडिया के निदेशक मंडल ने मामले से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र जांच शुरू कर दी है।



निदेशक मंडल ने शुरू की स्वतंत्र जांच

एनवीडिया के निदेशक मंडल ने इन खबरों के बाद स्वतंत्र जांच शुरू की है कि कंपनी के संस्थापक और सीईओ विदेशी खुफिया अभियान का निशाना बने थे। जांच की निगरानी स्वतंत्र निदेशकों की एक समिति करेगी और इसमें बाहरी कानूनी विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी। हुआंग ने जांच का समर्थन करते हुए पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया है।

चीन ने जासूसी साजिश के आरोपों को किया खारिज

चीन ने सोमवार को एनवीडिया सीईओ जेनसन हुआंग को फंसाने के लिए जासूसी साजिश रचे जाने के आरोपों को खारिज किया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि यह चीन को बदनाम करने की कोशिश है।

कर्मचारियों को ईमेल भेजकर जताया अफसोस

63 वर्षीय हुआंग ने कर्मचारियों को भेजे ईमेल में कहा कि उन्होंने अपनी पत्नी के साथ बेवफाई की और उनके इस कदम से पत्नी तथा बच्चों को दुख पहुंचा है। उन्होंने कहा कि अपने किए का कोई बहाना नहीं हो सकता और उन्हें इसका गहरा अफसोस है। उन्होंने कंपनी के कर्मचारियों, निदेशक मंडल और शेयरधारकों के प्रति अपनी जिम्मेदारियां निभाने में विफल रहने की बात भी स्वीकार की। साथ ही एनवीडिया के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए भरोसा दोबारा हासिल करने के लिए काम करने का आश्वासन दिया। यह मामला उन खबरों के बाद सामने आया, जिनमें दावा किया गया था कि हुआंग के करीब आई एक चीनी कारोबारी महिला कथित तौर पर बीजिंग के लिए गुप्त सूचनाएं जुटा रही थी। रिपोर्ट में महिला की पहचान हुआंग ले के रूप में की गई है। वह सिंगापुर की डेटा सेंटर कंपनी मेगास्पीड से जुड़ी रही है। उसका जेनसन हुआंग से कोई पारिवारिक संबंध नहीं है।

एक सदस्य की असहमति से नहीं रुकेगा सोसायटी का पुनर्विकास

▸▸ फ्लैट मालकिन को 20 नवंबर तक घर खाली करने का आदेश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने हाउसिंग सोसायटी के पुनर्विकास में बहुमत के फैसले को बरकरार रखते हुए स्पष्ट किया है कि केवल एक सदस्य की असहमति के आधार पर पूरी पुनर्विकास परियोजना को नहीं रोका जा सकता। अदालत ने पुणे के कोथरुड स्थित प्रीतम सदन सहकारी गृह निर्माण संस्था की एक फ्लैट मालकिन को 20 नवंबर तक अपना फ्लैट खाली कर कब्जा सौंपने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति संदीप वी. मार्ने की एकल पीठ ने सोसायटी की याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि जब अधिकांश सदस्य पुनर्विकास के लिए सहमत हों, तो कोई एक असहयोगी सदस्य पूरी परियोजना को रोक नहीं सकता।



18 में से 17 सदस्यों ने दी थी सहमति

मामला कोथरुड की 37 साल पुरानी प्रीतम सदन सहकारी गृह निर्माण संस्था से जुड़ा है। सोसायटी के कुल 18 सदस्यों में से 17 ने पुनर्विकास योजना पर सहमति जताई थी। उन्होंने कोटि भास्कर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ विकास समझौता किया और अपने फ्लैट खाली कर दिए। हालांकि, फ्लैट नंबर-3 की मालकिन ज्योत्सना एस. राजोपाध्याय ने आवश्यक अनुमतियां और काम शुरू करने का प्रमाणपत्र (कमेंसमेंट सर्टिफिकेट) जारी होने के बावजूद फ्लैट खाली करने से इनकार कर दिया।

ब्रीफ न्यूज़

दुष्कर्म मामले में ब्रिटिश कॉमेडियन रसेल को साढ़े दस साल की सजा

लंदन। ब्रिटेन के मशहूर कॉमेडियन और पूर्व टीवी स्टार रसेल ब्रांड को दुष्कर्म और यौन अपराधों के मामलों में अदालत ने 10 साल 6 महीने यानी साढ़े दस साल जेल की सजा सुनाई। 51 वर्षीय ब्रांड को अदालत ने चार अलग-अलग महिलाओं से जुड़े मामलों में दोषी पाया था। लंदन के साउथवार्क क्राउन कोर्ट में सुनवाई के दौरान जज जोएल बेनाथान ने सजा सुनाते हुए रसेल ब्रांड को यौन शिकारी बताया। जज ने कहा कि ब्रांड ने अपने पीड़ितों के प्रति बेहद अहंकार और घृणा दिखाई। उन्होंने उसके व्यवहार को लेकर भी कड़ी टिप्पणी की। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह ही अदालत ने रसेल को चार अलग-अलग महिलाओं के साथ साल 2004 से 2009 के बीच हुई घटनाओं के मामले में दोषी ठहराया था। इन मामलों में एक दुष्कर्म और तीन यौन हमले शामिल थे। सजा सुनाए जाने के दौरान रसेल अदालत में मौजूद था, लेकिन उसके चेहरे पर किसी तरह का भाव दिखाई नहीं दिया।

जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री से युद्ध रोकने की अपील की

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने युद्ध की स्थिति और शांति स्थापित करने के प्रयासों पर चर्चा की। भारत ने रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए हरसंभव सहयोग देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ बातचीत में युद्ध समाप्त करने और कूटनीतिक प्रयासों के जरिए शांति बहाल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारत लगातार दोनों देशों के संपर्क में है और संघर्ष के समाधान के लिए संवाद एवं कूटनीति का समर्थन कर रहा है।

महाराष्ट्र : मुंबई में छोटी दिवाली पर मंदिर में तोड़फोड़

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के एक मंदिर में लोगों के एक समूह द्वारा कथित तौर पर सुरक्षा गार्ड को धमकाकर जबरन घुसने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आरोपियों ने मंदिर परिसर में आरती की, वहां लगे एक बोर्ड को खराब कर दिया और एक धार्मिक बैनर फाड़ दिया। यह घटना शनिवार शाम आरे इलाके के राम मंदिर में हुई। मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि 15 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। आरोपियों पर अशांति फैलाने की कोशिश समेत कई आरोप लगाए गए हैं। आरे पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दो लोगों में से एक की पहचान अमित पाठक के रूप में हुई है। यह मामला आरे इलाके के मारोल चेक नाका स्थित 'लेउवा पाटीदार समाज राम मंदिर ट्रस्ट' के ट्रस्टी जयेश अंबावी पटेल (46) की शिकायत पर दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, मामले में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है और जांच जारी है।

गार्ड को धमकी देकर की आरती; बैनर फाड़े, दो गिरफ्तार

एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की संभावना नहीं: रोहित पवार

▸▸ अजित पवार गुट में सत्ता और पदों को लेकर संघर्ष का लगाया आरोप

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के विलय को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार ने इन अटकलों को खारिज कर दिया है। रोहित पवार ने सोमवार को मुंबई स्थित सिल्वर ओक बंगले पर शरद पवार और सुप्रिया सुले से मुलाकात की। करीब दो घंटे चली इस बैठक के बाद उन्होंने कहा कि दोनों गुटों के विलय को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई और फिलहाल उन्हें इसकी कोई संभावना नजर नहीं आती।



अजित पवार गुट में सत्ता संघर्ष का दावा

रोहित पवार ने कहा कि अजित पवार गुट के कुछ वरिष्ठ नेता विलय की चर्चाओं को हवा दे रहे हैं। उनके मुताबिक, इसकी वजह पार्टी के भीतर चल रहा सत्ता संघर्ष है। कुछ नेताओं को पार्टी का नियंत्रण चाहिए, कुछ उपमुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, जबकि कुछ फिर से मंत्री पद हासिल करने की कोशिश में हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अजित पवार गुट का आंतरिक मामला है और इसका शरद पवार गुट से कोई संबंध नहीं है।

किसानों की समस्याओं पर चर्चा के लिए पहुंचे थे

शरद पवार से मुलाकात का कारण बताते हुए रोहित पवार ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र के करीब 10 से 11 जिलों का दौरा कर सूखे और फसल संकट से प्रभावित किसानों तथा खेत मजदूरों से बातचीत की थी। इसी दौरे की जानकारी और किसानों की समस्याओं से जुड़े मुद्दे शरद पवार के सामने रखने के लिए वह पहुंचे थे। इसके अलावा दिवाली के अवसर पर उनका आशीर्वाद लेने और स्वास्थ्य का हाल जानना भी मुलाकात का उद्देश्य था।

इजरायल में नई सरकार गठन की कवायद तेज

▸▸ गादी आइजेनकॉट को राष्ट्रपति ने दिया न्योता

एजेंसी | नई दिल्ली

इजरायल में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने पूर्व सैन्य प्रमुख और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी गादी आइजेनकॉट को सरकार बनाने का अवसर दिया है। यह फैसला नेतन्याहू के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। हालांकि, राष्ट्रपति से निमंत्रण मिलने के बावजूद आइजेनकॉट के सामने बहुमत जुटाने और विभिन्न राजनीतिक दलों को एक साथ लाने की चुनौती बनी हुई है। इजरायल में 27 अक्तूबर को हुए चुनाव के बाद संसद में किसी भी गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। 120 सदस्यीय संसद में नेतन्याहू के धार्मिक-राष्ट्रवादी गठबंधन को 53 सीटें मिलीं, जबकि आइजेनकॉट के चार दलों के गठबंधन के पास 48 सीटें हैं। दो अरब दलों को कुल 19 सीटों पर जीत मिली है। इन दलों ने आइजेनकॉट के समर्थन में अपना रुख जाहिर किया है। हालांकि, अरब दलों का समर्थन मिलने के बावजूद सरकार गठन का रास्ता आसान नहीं माना जा रहा है।



चुनाव में किसी भी गठबंधन को नहीं मिला स्पष्ट बहुमत

कैंसर की 1364 दवा फॉर्मूलेशन की कीमतों में 96 फीसदी तक की कटौती



- 137 कैंसर रोधी दवाओं पर मुनाफे की अधिकतम 30 फीसदी सीमा लागू
- मरीजों को सालाना 3540 करोड़ रुपये की बचत का अनुमान

एजेंसी | नई दिल्ली

कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की कीमतों में बड़ी कटौती लागू हो गई है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने 137 कैंसर रोधी दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर मुनाफे की अधिकतम 30 फीसदी सीमा तय की है। इसके परिणामस्वरूप इन दवाओं के कुल 1364 फॉर्मूलेशन की कीमतों में 50 से 96 फीसदी तक की कमी आई है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने सोमवार को जारी बयान में यह जानकारी दी।

679 ब्रांड की कीमतों में 50 फीसदी से अधिक की कमी

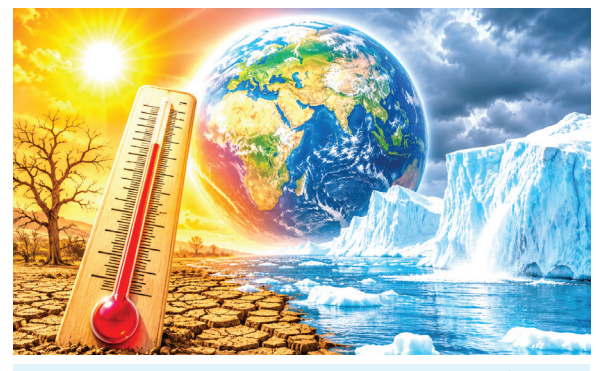
मंत्रालय के अनुसार, आठ नवंबर तक 85 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं से जुड़े 1364 कैंसर रोधी फॉर्मूलेशन की संशोधित एमआरपी की जानकारी दी है। इनमें 679 ब्रांड की कीमतों में 50 फीसदी से अधिक की कमी दर्ज की गई है। दवाओं की एमआरपी में अधिकतम 96.45 फीसदी तक की कटौती हुई है। यह कदम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय द्वारा 17 अक्तूबर को गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर उठाया गया है।

मौसम में बदलाव शक्तिशाली अल नीनो के प्रभाव से बढ़ सकता है तापमान, समुद्रों का जलस्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर

दुनिया के सबसे गर्म चार वर्षों में शामिल होगा यह साल

एजेंसी | संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2026 दुनिया के अब तक के चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल हो सकता है। इसकी प्रमुख वजह शक्तिशाली अल नीनो का प्रभाव माना जा रहा है। इसके चलते दुनिया में एक दशक से अधिक समय से जारी तापमान बढ़ने का सिलसिला आगे भी जारी रहने की आशंका है। यह रिपोर्ट तुर्किये में होने वाले जलवायु सम्मेलन कॉप-31 से पहले जारी की गई है। यह सम्मेलन सोमवार से 20 नवंबर तक चलेगा।



औसत तापमान में लगातार बढ़ोतरी

डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से सितंबर 2026 के बीच दुनिया का औसत तापमान औद्योगिक युग से पहले के औसत स्तर से 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। शक्तिशाली अल नीनो के प्रभाव से इसमें और बढ़ोतरी हो सकती है। अल नीनो एक मौसमी जलवायु घटना है, जिसका असर दुनिया भर के मौसम पर पड़ता है। इसके कारण कहीं तापमान बढ़ता है, कहीं बारिश कम होती है तो कहीं बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। रिपोर्ट में शामिल नौ अलग-अलग आंकड़ों और अध्ययनों के अनुसार, 2026 सहित पिछले 12 साल रिकॉर्ड शुरू होने के बाद के 12 सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे हैं।

ग्रीनहाउस गैसों से बढ़ रही गर्मी

डब्ल्यूएमओ के जलवायु सूचना प्रमुख जॉन कैनेडी के अनुसार, ग्रीनहाउस गैसों के कारण वातावरण में बढ़ रही गर्मी का असर समुद्रों, वायुमंडल, पिघलती बर्फ और समुद्र के बढ़ते जलस्तर में दिखाई दे रहा है। यूरोपीय संघ की कॉपरनिकस जलवायु सेवा भी कह चुकी है कि 2026 दूसरा ऐसा कैलेंडर वर्ष बन सकता है, जब दुनिया का औसत तापमान औद्योगिक युग से पहले के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। इससे पहले 2024 में भी तापमान इस सीमा को पार कर चुका है। पेरिस जलवायु समझौते (2015) में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य तय किया गया था।

समुद्रों का तापमान रिकॉर्ड स्तर पर

रिपोर्ट के मुताबिक, पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है और इस साल भी समुद्रों का तापमान बढ़ने का सिलसिला जारी रहा। वर्ष 2025 में समुद्रों का तापमान अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। इस साल समुद्र का औसत जलस्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर दर्ज किया गया। ग्लेशियरों और बर्फ की विशाल चादरों के पिघलने के साथ ही गर्म होने पर समुद्री पानी के फैलने से जलस्तर में वृद्धि हो रही है।

दिवाली पर ठाणे की हवा में प्रदूषण 58 फीसदी बढ़ा

शोर का स्तर भी सीमा से काफी ऊपर

लक्ष्मी पूजन के दिन एक्यूआई 95 से बढ़कर 150 पहुंचा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

दीपावली पर पटाखों का असर ठाणे की हवा की गुणवत्ता पर साफ दिखाई दिया। ठाणे महानगरपालिका के प्रदूषण नियंत्रण विभाग के सर्वेक्षण के अनुसार, दिवाली से पहले 30 अक्टूबर 2026 को शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 95 था, जो लक्ष्मी पूजन के दिन 8 नवंबर को बढ़कर 150 हो गया। यानी वायु प्रदूषण के स्तर में करीब 57.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

हवा में धूल के कण तय सीमा से अधिक



मनपा के आंकड़ों के मुताबिक, दिवाली से पहले हवा में पीएम10 का औसत स्तर 98 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था, जो लक्ष्मी पूजन के दिन बढ़कर 157 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पहुंच गया। यह निर्धारित 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की सीमा से काफी अधिक है। इसी अवधि में नाइट्रोजन ऑक्साइड का औसत स्तर 39 से बढ़कर 42 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर हो गया, जबकि सल्फर डाइऑक्साइड का स्तर 16 से बढ़कर 30 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया। हालांकि, इन दोनों प्रदूषकों का स्तर निर्धारित सीमा के भीतर रहा।

पिछले दो वर्षों के मुकाबले एक्यूआई

दिवाली के दिन वर्ष 2026 में एक्यूआई 150 दर्ज किया गया, जबकि 2025 में यह 157 और 2024 में 146 था। इस तरह 2026 में एक्यूआई पिछले साल से कम, लेकिन 2024 के मुकाबले अधिक रहा। हालांकि, सर्वेक्षण के अनुसार, वर्ष 2025 की तुलना में इस बार हवा में धूल के कणों की मात्रा अधिक दर्ज की गई।

शोर का स्तर भी निर्धारित सीमा से काफी ऊपर

मनपा ने वायु प्रदूषण के साथ ध्वनि प्रदूषण की भी निगरानी की। दिवाली से पहले कोपरी के मॉनिटरिंग स्टेशन पर दिन में 68.8 और रात में 58.3 डेसिबल शोर दर्ज किया गया था। लक्ष्मी पूजन के दिन यह स्तर बढ़कर दिन में 81.3 और रात में 81.2 डेसिबल पहुंच गया। रिहायशी इलाकों में दिन के समय शोर की निर्धारित सीमा 55 और रात में 45 डेसिबल है। इस लिहाज से दिवाली पर शोर का स्तर तय मानकों से काफी अधिक रहा। हालांकि, वर्ष 2025 में दिवाली के दौरान 89.2 डेसिबल और 2024 में 86 डेसिबल शोर दर्ज किया गया था। इस बार पिछले दोनों वर्षों के मुकाबले स्तर कम रहा, लेकिन ध्वनि प्रदूषण की समस्या बरकरार रही।

कल्याण-मुरबाड हादसे में 11 मौतों के मामले ने पकड़ा तूल

परिवहन अधिकारियों की होगी जांच

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

कल्याण-मुरबाड महामार्ग पर अवैध यात्री परिवहन के दौरान हुए भीषण हादसे में 11 यात्रियों की मौत के मामले में अब परिवहन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच होगी। अवैध यात्री परिवहन को कथित संरक्षण देने संबंधी शिकायत पर मुख्यमंत्री सचिवालय ने संज्ञान लेते हुए परिवहन आयुक्त राजेश नार्वेकर को मामले की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

13 अप्रैल को हुआ था भीषण हादसा



गौरतलब है कि 13 अप्रैल 2026 को कल्याण-मुरबाड महामार्ग पर उल्हास नदी के पुल पर अवैध यात्री परिवहन के दौरान भीषण दुर्घटना हुई थी। इस हादसे में 11 यात्रियों की मौत हो गई थी। इसके बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार मंच के अध्यक्ष डॉ. शरद काशिनाथ धुमाल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखित शिकायत देकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की थी। शिकायत में उपप्रादेशिक परिवहन अधिकारी आशुतोष बारकुल और संबंधित कर्मचारियों की भूमिका की जांच करने तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत सदोष मनुष्यवध का मामला दर्ज करने की मांग की गई है। डॉ. धुमाल का आरोप है कि संबंधित क्षेत्र में लंबे समय से अवैध यात्री परिवहन जारी था, लेकिन परिवहन विभाग के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की कथित अनदेखी अथवा छिपे समर्थन के कारण इस पर प्रभावी रोक नहीं लग सकी।

मुख्यमंत्री सचिवालय ने दिए जांच के निर्देश

मुख्यमंत्री सचिवालय ने शिकायत का संज्ञान लेते हुए परिवहन आयुक्त को पूरे मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, अधिकारियों और कर्मचारियों पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र जांच तथा आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। अब परिवहन विभाग की जांच और आगे होने वाली कार्रवाई पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

मीरा-भाईंदर में पटाखेबाजों पर पुलिस का शिकंजा

129 स्थानों पर आगजनी के बाद सख्ती

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

शहर में 129 अलग-अलग स्थानों पर आगजनी की घटनाएं सामने आने के बाद जिलाधिकारी के आदेश पर मीरा-भाईंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय ने पटाखेबाजों के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी है। प्रदूषण नियंत्रण को लेकर पुलिस ने अपने कार्यक्षेत्र में कड़े निर्देश जारी किए हैं। पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) संजयकुमार पाटील ने सभी पुलिस थाना प्रभारियों को आदेशों का तत्काल और प्रभावी पालन कराने के निर्देश दिए हैं।

बाजारों और धार्मिक स्थलों पर बढ़ेगी गश्त



लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से पहले अनुमति लेना अनिवार्य होगा। अनुमति की प्रति और निर्धारित डेसिबल सीमा मौके पर प्रदर्शित करनी होगी। पुलिस को भीड़भाड़ वाले इलाकों, बाजारों और धार्मिक स्थलों पर गश्त बढ़ाने तथा डेसिबल मीटर से ध्वनि स्तर की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। शिकायत मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करनी होगी। बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को प्रदूषण से होने वाली परेशानी को भी ध्यान में रखने को कहा गया है। पुलिस उपायुक्त ने पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक के मार्गदर्शन में सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि उच्च न्यायालय के आदेशों का गंभीरता से पालन कराया जाए। प्रदूषण संबंधी किसी भी उल्लंघन को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और आदेशों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।

पटाखों और ध्वनि प्रदूषण पर सख्ती

आदेश के अनुसार, ध्वनि प्रदूषण (नियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 का उल्लंघन करने वाले पटाखों, ध्वनिवर्धकों और अन्य उपकरणों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सार्वजनिक रास्तों, चौकों, गलियों और फुटपाथों पर पटाखे फोड़ने, रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ध्वनि प्रदूषण करने तथा शांति क्षेत्र में पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध रहेगा। बिना अनुमति लाउडस्पीकर और लेजर लाइट के इस्तेमाल की भी इजाजत नहीं होगी।

पटाखा विक्रेताओं पर भी कार्रवाई की मांग

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि केवल पटाखे फोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। अवैध और बिना लाइसेंस पटाखे बेचने वालों, प्रतिबंधित अधिक ध्वनि वाले पटाखों की बिक्री करने वालों तथा भंडारण नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी सख्ती जरूरी है। उन्होंने विस्फोटक अधिनियम, 1884, विस्फोटक नियम, 2008 और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की है, ताकि आगजनी की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

दिवाली पर पटाखों से शहर में आग की दो घटनाएं

निर्माणाधीन इमारत जलकर राख, कोई जनहानि नहीं

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

दिवाली के दौरान पटाखों से आग लगने की दो घटनाएं कल्याण-डोंबिवली में सामने आई हैं। कल्याण पूर्व के चिंचपाड़ा इलाके में आधी रात को एक निर्माणाधीन इमारत में भीषण आग लग गई, जबकि दूसरी घटना डोंबिवली के पलावा सिटी के पास हुई। दोनों घटनाओं में सामान और निर्माण सामग्री जलकर राख हो गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

पलावा सिटी के पास भी आगजनी



दूसरी घटना डोंबिवली के पलावा सिटी के पास हुई, जहां आग लगने से वहां रखा सामान जलकर खाक हो गया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। दोनों घटनाओं में दमकल विभाग की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया और कोई जनहानि नहीं हुई।

रिहायशी इलाकों में रॉकेट और स्काई शॉट पर रोक की मांग

आगजनी की घटनाओं के बाद स्थानीय नागरिकों ने रिहायशी इलाकों में पटाखे फोड़ने पर चिंता जताई है। उन्होंने रॉकेट और स्काई शॉट जैसे ऊंचाई तक जाने वाले पटाखों के इस्तेमाल पर रोक लगाने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि रिहायशी इमारतों, निर्माणाधीन भवनों और आसपास खड़े वाहनों के बीच ऐसे पटाखे फोड़ने से आगजनी और बड़े हादसों का खतरा बना रहता है।

पटाखों की चिंगारी से निर्माणाधीन इमारत में आग

जानकारी के अनुसार, कल्याण पूर्व के चिंचपाड़ा रोड स्थित रंजना अपार्टमेंट की पुनर्निर्माणाधीन इमारत में आधी रात अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि पटाखों से निकली चिंगारी इमारत को सहारा देने के लिए लगाए गए बांस और लकड़ी के तख्तों पर जा गिरी, जिससे आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाली सामग्री इसकी चपेट में आ गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों को आग पर पूरी तरह काबू पाने में करीब दो से तीन घंटे लगे।

डोंबिवली में दीपावली पहाट की धूम

पारंपरिक परिधानों में उमड़े हजारों लोग

ढोल-ताशों की गूंज और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

सांस्कृतिक नगरी के रूप में पहचान रखने वाले डोंबिवली में दीपावली पहाट का आयोजन इस वर्ष भी उत्साह और धूमधाम से किया गया। रविवार सुबह से ही कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बच्चों, महिलाओं और युवाओं की भारी भीड़ उमड़ी। रंग-बिरंगे और पारंपरिक परिधानों में पहुंचे लोगों ने उत्सव का आनंद लिया। करीब एक किलोमीटर तक चहल-पहल और उत्सवी माहौल देखने को मिला।

शहर की सांस्कृतिक पहचान बना आयोजन



विधायक राजेश मोरे ने कहा कि डोंबिवली में दीपावली पहाट केवल उत्सव नहीं, बल्कि शहर की सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकता का प्रतीक बन चुका है। यही वजह है कि आसपास के क्षेत्रों के साथ दूर-दराज से भी लोग इसमें शामिल होने पहुंचते हैं। वर्षों पुरानी यह परंपरा आज भी नई पीढ़ी में आकर्षण और उत्साह बनाए हुए है। आयोजन के दौरान रामनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक डॉ. अमरनाथ वाघमोडे के नेतृत्व में पुलिस सुरक्षा व्यवस्था भी तैनात रही।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बढ़ाया उत्साह

कार्यक्रम स्थल पर जगह-जगह फोटो शूट और सेल्फी पॉइंट बनाए गए थे, जहां परिवारों और युवाओं ने यादगार पलों को कैमरे में कैद किया। ढोल-ताशों की गूंज और घंटियों की ध्वनि से पूरा परिसर गुंजायमान रहा। कलाकारों की आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों ने आयोजन में चार चांद लगा दिए। लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं भी दीं।

इंस्टाग्राम लिंक से मोबाइल हैक कर चालक के खाते से उड़ाए 1.10 लाख रुपये

फर्जी ऐप डाउनलोड कराकर साइबर ठगी

अज्ञात आरोपी और दो बैंक खाताधारकों के खिलाफ मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

सोशल मीडिया पर भेजे गए फर्जी लिंक के जरिए मोबाइल हैक कर एक चालक के बैंक खाते से 1.10 लाख रुपये निकालने का मामला सामने आया है। उल्हासनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी और संबंधित दो बैंक खाताधारकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लिंक पर क्लिक करते ही डाउनलोड हुआ फर्जी ऐप



पुलिस के अनुसार, रमाबाई आंबेडकर नगर, उल्हासनगर-2 निवासी प्रदीप बालासाहेब चहल (42) चालक का काम करते हैं। 20 अक्टूबर 2026 को शाम करीब 5 से 7 बजे के बीच उनके इंस्टाग्राम पर एक अज्ञात व्यक्ति ने लिंक भेजा। उस पर क्लिक करते ही उनके मोबाइल में AG TV नामक ऐप डाउनलोड हो गया। आरोप है कि इस ऐप के जरिए साइबर ठगों ने उनका मोबाइल हैक कर लिया और बैंक खाते से 1 लाख 10 हजार रुपये निकालकर एसबीआई और एक्सिस बैंक के दो खातों में ट्रांसफर कर दिए। इस मामले में उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 3(5) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66C और 66D के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस निरीक्षक संतोष आव्हाड के मार्गदर्शन में जांच जारी है।

नागराणी मंदिर भवन में लगी भीषण आग, बड़ा हादसा टला

कल्याण। दीपावली पर लक्ष्मी पूजन के दिन कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका क्षेत्र के आशेले गांव स्थित नागराणी मंदिर भवन में अचानक भीषण आग लग गई। घनी आबादी वाले इलाके में आग की घटना से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रभाग क्रमांक 16 के अंतर्गत आशेले गांव के मुख्य मार्ग पर स्थित नागराणी मंदिर भवन में अचानक आग भड़क उठी। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने लगा। सूचना मिलते ही उल्हासनगर महानगरपालिका के अग्निशमन विभाग की चार से पांच



दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। मंदिर भवन के आसपास घनी आबादी होने के कारण आग फैलने की आशंका थी। दमकल कर्मियों ने स्थानीय नागरिकों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। जनहानि नहीं होने से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय जनप्रतिनिधि योगेश म्हात्रे, नितीन तरे, अंकुश कडू, शुभम ढोणे, प्रकाश पाटील, फिरोज खान, मयुरेश तरे और स्वप्निल तरे घटनास्थल पर पहुंचे।

दिवाली पर उल्हासनगर के डंपिंग ग्राउंड में भीषण आग

धुएं से लोगों को सांस लेने में परेशानी

कैंप-5 में तीन दमकल गाड़ियों से आग बुझाने का प्रयास

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

दिवाली के दिन उल्हासनगर के कैंप-5 स्थित डंपिंग ग्राउंड में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग के कारण आसमान में धुएं के घने गुबार छा गए, जिससे आसपास के रहवासियों को सांस लेने में परेशानी हुई। जहरीले धुएं से बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

तीन दमकल गाड़ियों से आग बुझाने का प्रयास



अग्निशमन विभाग के अधिकारी सुरेश बॉम्बे ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 11 बजे डंपिंग ग्राउंड में आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद तीन दमकल गाड़ियों और पानी के टैंकरों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

डंपिंग ग्राउंड हटाने की मांग तेज

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, डंपिंग ग्राउंड के कारण क्षेत्र में पहले से ही दुर्गंध और प्रदूषण की समस्या बनी हुई है। आग की घटना ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी। नागरिकों ने मनपा प्रशासन से कैंप-5 स्थित डंपिंग ग्राउंड को जल्द हटाने की मांग की है। उन्होंने महापौर अश्विनी निकम से भी इस समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की है।

बदलापुर में छठ पूजा को लेकर मनसे का विरोध

नदी प्रदूषण का उठाया मुद्दा, पूजन सामग्री नदी में विसर्जित नहीं करने की नियमावली लागू करने की मांग

डीबीडी संवाददाता | बदलापुर

उल्हास नदी चौपाटी पर छठ पूजा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज के लोग पर्व में शामिल होंगे। हालांकि, इस बार नदी में जल प्रदूषण का मुद्दा उठाते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने छठ पूजा के आयोजन का विरोध किया है। मनसे के बदलापुर शहर अध्यक्ष निशांत मांडवीकर और उपशहर अध्यक्ष किरण भगत ने नगरपालिका के मुख्याधिकारी मारुति गायकवाड को ज्ञापन सौंपकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है।

पूजन सामग्री नदी में छोड़ने पर जताई आपत्ति



मनसे ने ज्ञापन में कहा है कि छठ पूजा के दौरान नदी में दीये और पूजन सामग्री (निर्माल्य) छोड़े जाने से जल प्रदूषण होता है। संगठन ने मांग की है कि गणेशोत्सव और नवरात्रोत्सव की तरह छठ पूजा के दौरान भी नदी में निर्माल्य डालने पर रोक लगाने संबंधी नियम लागू किए जाएं। मनसे ने चेतावनी दी है कि मांग पर अमल नहीं होने पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर आंदोलन भी किया जाएगा।

स्वच्छता बनाए रखने की नगरपालिका की अपील

इस मामले में नगरपालिका के मुख्याधिकारी मारुति गायकवाड ने कहा कि प्रशासन नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए सतर्क रहेगा। उन्होंने छठ पूजा करने वाले श्रद्धालुओं से स्वच्छता बनाए रखने और पूजन सामग्री नदी में नहीं छोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु पूजा के साथ नदी को प्रदूषण मुक्त रखने की जिम्मेदारी भी निभाएं और ऐसा उदाहरण पेश करें, जिससे पर्व के दौरान गंदगी न हो।

कदम ने अजित प्लेन क्रैश मामले में तटकरे का हाथ होने का लगाया आरोप

- कदम के आरोपों को विधायक अनिल पाटिल ने बताया गैर-जिम्मेदाराना

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे और शिवसेना (शिंदे गुट) के वरिष्ठ नेता रामदास कदम के बीच विवाद एक बार फिर गहरा गया है। कदम ने तटकरे की राजनीतिक भूमिका पर सवाल उठाते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे के मामले में भी उनकी भूमिका की जांच कराने की मांग की है। उनके इस बयान से सत्ताधारी महायुति के घटक दलों के बीच अंदरूनी खींचतान सामने आ गई है।



तटकरे पर राजनीतिक विश्वासघात के आरोप

रामदास कदम ने आरोप लगाया कि सुनील तटकरे किसी के स्थायी समर्थक नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि जब तटकरे पूर्व मुख्यमंत्री अंतुले के निजी सहायक थे, तब भी उन्होंने उनके खिलाफ रुख अपनाया था। कदम ने दावा किया कि उन्होंने खुद तटकरे के चुनाव में काफी मेहनत की थी, लेकिन उस समय कई लोगों ने उन्हें आगाह किया था कि तटकरे भविष्य में किसी के नहीं होंगे। कदम ने यह भी आरोप लगाया कि तटकरे ने उनके बेटे योगेश कदम को विधानसभा चुनाव में हराने की कोशिश की थी। उनके मुताबिक, महायुति में साथ होने के बावजूद तटकरे ने गुहागर में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता भास्कर जाधव की मदद की थी।

डैम परियोजनाओं को लेकर भी लगाए आरोप

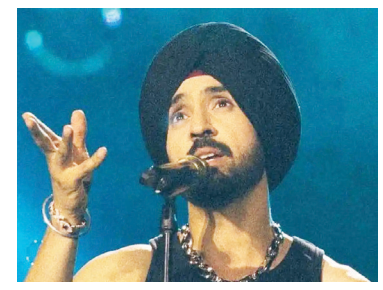
कदम ने कोंकण में बांध परियोजनाओं को लेकर भी तटकरे पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 16 बांधों के काम में करीब 70 हजार करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी हुई थी। उन्होंने पोयनाल बांध का काम वर्षों से अधूरा होने का दावा करते हुए कहा कि इसके कारण 14 गांवों के लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। कदम ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा को समर्थन देने के बाद ये आरोप वापस ले लिए गए।

एनसीपी विधायक ने किया पलटवार

कदम ने तटकरे को महत्वाकांक्षी नेता बताते हुए दावा किया कि वे खुद उपमुख्यमंत्री बनना चाहते थे। उन्होंने अजित पवार के विमान हादसे के मामले में तटकरे की भूमिका की जांच की मांग भी की। हालांकि, उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। दूसरी ओर, एनसीपी विधायक अनिल पाटिल ने कदम के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कदम प्रचार पाने और नेताओं को बदनाम करने के लिए गैर-जिम्मेदाराना बयान देते हैं। नेताओं को बोलते समय अपने पद और मंच की मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। पाटिल ने कहा कि यदि तटकरे के खिलाफ आरोपों में सच्चाई है तो जांच होनी चाहिए, लेकिन किसी को खुश करने के लिए आरोप लगाना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि महायुति समन्वय समिति ने किसी को इस तरह के बयान देने के लिए नहीं कहा है।

दिलजीत दोसांझ के मुंबई कॉन्सर्ट की बढ़ेगी सुरक्षा

- 2,000 तक सुरक्षाकर्मी तैनात करने की तैयारी
- 27 नवंबर को महालक्ष्मी रेसकोर्स में होगा कार्यक्रम
- धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद पुलिस अलर्ट



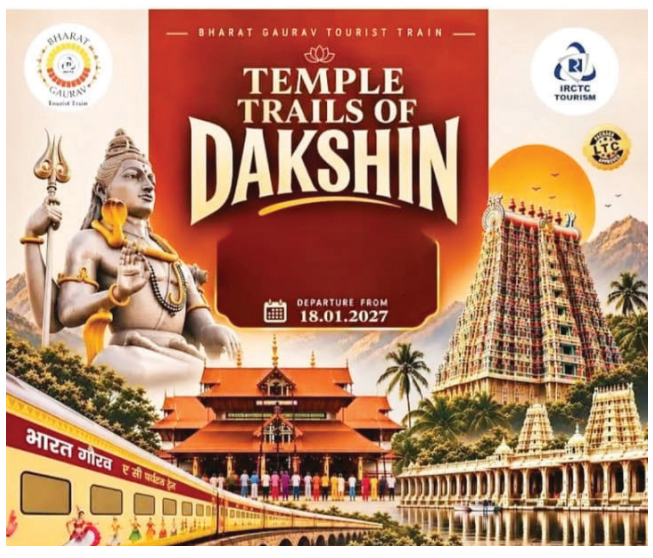
मुंबई। देश में सेलिब्रिटीज और सरकारी कार्यालयों को धमकी भरे ई-मेल मिलने की घटनाओं के बीच अब बॉलीवुड गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के मुंबई कॉन्सर्ट को भी धमकी मिलने की खबर सामने आई है। 27 नवंबर 2026 को महालक्ष्मी रेसकोर्स में होने वाले इस कार्यक्रम की सुरक्षा बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद पुलिस ने कार्यक्रम स्थल की जांच की, हालांकि वहां कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आमतौर पर महालक्ष्मी रेसकोर्स में दर्शकों की जांच तीन प्रवेश द्वारों पर होती है, लेकिन इस बार पांच द्वारों पर सुरक्षा जांच की जाएगी। कार्यक्रम से एक दिन पहले और कार्यक्रम के दिन पूरे परिसर की तलाशी ली जाएगी। पहले आयोजन में 400 निजी सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की योजना थी, लेकिन अब मुंबई पुलिस ने सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाकर 1,500 से 2,000 तक करने की सिफारिश की है।

नो-कार जोन और सादे कपड़ों में पुलिस तैनात

सूत्रों के मुताबिक, कार्यक्रम स्थल के 500 से 700 मीटर के दायरे को नो-कार जोन बनाने और यातायात पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी है। रेसकोर्स के बाहर सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। दिलजीत जिस होटल में ठहरेंगे, वहां भी अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। कॉन्सर्ट में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सघन जांच होगी। सूत्रों के अनुसार, मोबाइल फोन की भी जांच की जा सकती है। आयोजकों को गायक से जुड़ी जानकारी पत्रकारों और यूट्यूबर्स के साथ साझा नहीं करने के निर्देश दिए जाने की भी खबर है।

आईआरसीटीसी 18 जनवरी से चलाएगा 'टेम्पल ट्रेल्स ऑफ दक्षिण' भारत गौरव पर्यटक ट्रेन



मुंबई। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी), पश्चिम क्षेत्र मुंबई की ओर से दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के भ्रमण के लिए विशेष भारत गौरव पर्यटक ट्रेन चलाई जाएगी। 'टेम्पल ट्रेल्स ऑफ दक्षिण' नाम से संचालित यह विशेष ट्रेन 18 जनवरी 2027 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से रवाना होगी। 11 रातें और 12 दिनों की इस यात्रा में पर्यटकों को दक्षिण भारत के नौ प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। इस विशेष यात्रा में गोकर्ण, मुरुडेश्वर, गुरुवायुर, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी, तिरुचिरापल्ली, कांचीपुरम और महाबलीपुरम को शामिल किया गया है। यात्रियों को इन स्थानों पर प्रसिद्ध मंदिरों, ऐतिहासिक स्मारकों और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को देखने का अवसर मिलेगा।

गोकर्ण में महाबलेश्वर मंदिर और ओम बीच, मुरुडेश्वर में भगवान शिव का भव्य मंदिर, गुरुवायुर मंदिर तथा रामेश्वरम में श्री रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोडी के दर्शन कराए जाएंगे। इसी तरह मदुरै में मीनाक्षी मंदिर, कन्याकुमारी में कुमारी अम्मन मंदिर, विवेकानंद रॉक मेमोरियल, गांधी मंडपम और सनसेट पॉइंट यात्रा का हिस्सा होंगे। तिरुचिरापल्ली में श्री रंगनाथस्वामी मंदिर और तंजावुर मंदिर, कांचीपुरम में कामाक्षी अम्मन मंदिर, एकाम्बरेश्वर मंदिर और श्री वरदराजा पेरुमल मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। वहीं, महाबलीपुरम में प्रसिद्ध शोर मंदिर और कृष्णा बटरबॉल का भ्रमण कराया जाएगा। इस तरह यात्रियों को एक ही पैकेज में दक्षिण भारत की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। आईआरसीटीसी ने यात्रियों के लिए तीन श्रेणियों में पैकेज निर्धारित किए हैं। इकोनॉमी श्रेणी (स्लीपर क्लास) का किराया 20,420 रुपये, स्टैंडर्ड श्रेणी (3AC) का 32,770 रुपये और कंफर्ट श्रेणी (2AC) का 42,940 रुपये प्रति यात्री रखा गया है। 5 से 11 वर्ष तक के बच्चों के लिए भी विशेष पैकेज दरें उपलब्ध हैं।

पैकेज में रेल यात्रा, होटल में ठहरने की व्यवस्था, शाकाहारी भोजन, स्थानीय भ्रमण के लिए बस परिवहन, यात्रा बीमा, ट्रेन में सुरक्षा व्यवस्था और लागू कर शामिल हैं।

पुणे की 10 तहसीलों में मनरेगा के कामों को मिलेगी रफ्तार

पुणे। जिले की 10 तहसीलों में सूखा घोषित होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की बढ़ती मांग को देखते हुए प्रशासन ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के कामों में तेजी लाने की तैयारी की है। जिलाधिकारी जितेंद्र डुडी ने संबंधित विभागों को तत्काल कार्ययोजना तैयार कर रोजगार के काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सूखाग्रस्त क्षेत्रों में मजदूरों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के साथ जलसंरक्षण परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हर सप्ताह समीक्षा की जाएगी। पहले से मंजूर परियोजनाओं और उपलब्ध कामों को स्थानीय जरूरत के अनुसार तत्काल स्वीकृति देकर शुरू करने पर जोर दिया गया है। ग्रामसभा और ग्रामपंचायत स्तर पर तैयार कार्ययोजनाओं को तहसील स्तर पर एकत्रित कर उनका समयबद्ध क्रियान्वयन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ग्रामीण मजदूरों को रोजगार के लिए भटकना न पड़े। इसके लिए ग्रामपंचायत और तहसील स्तर पर रोजगार की मांग, उपलब्ध कामों और मंजूर परियोजनाओं का आकलन कर दैनिक लक्ष्य निर्धारित किए जाएं।

कोपरखैरणे गोलीकांड

ऑपरेशन कर युवती की पीठ से निकाली गोली

- दोनों बहनों की हालत स्थिर, एक के सिर में चोट
- पूर्व प्रेम संबंधों में विवाद के चलते गोलीबारी का आरोप

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कोपरखैरणे के सेक्टर-1 में दो सगी बहनों पर हुई गोलीबारी की घटना में घायल 20 वर्षीय युवती की पीठ में फंसी गोली भायखला स्थित जे.जे. अस्पताल में ऑपरेशन कर निकाल दी गई। करीब 30 मिनट तक चली सर्जरी के बाद युवती की हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना में घायल उसकी बड़ी बहन के सिर में भी चोट आई है। दोनों का अस्पताल में उपचार जारी है।

जे.जे. अस्पताल में जनरल सर्जरी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. श्रद्धा अभिजीत ढेंडे के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने ऑपरेशन कर गोली निकाली। वहीं, बड़ी बहन के सिर में चोट के बाद जांच में एक्स्ट्राड्यूरल और सबड्यूरल हेमेटोमा का पता चला है। दोनों की हालत फिलहाल स्थिर है। पुलिस उपायुक्त (जोन-1) विजय खरात के अनुसार, आरोपी अर्जुन चव्हाण का घायल बहनों में से एक के साथ पहले प्रेम संबंध था। ब्रेकअप से नाराज होकर उसने कथित तौर पर गोलीबारी की। पुलिस आरोपी की बंदूक और एक अन्य संदिग्ध की तलाश कर रही है।

नवी मुंबई मनपा अस्पताल से जे.जे. में किया गया रेफर



जानकारी के अनुसार, 5 नवंबर की देर रात दोनों बहनें घर के बाहर बैठी थीं, तभी आरोपी अर्जुन चव्हाण (22) ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की। दोनों को तत्काल नवी मुंबई महानगरपालिका के अस्पताल ले जाया गया। वहां न्यूरोसर्जन और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने के कारण अस्पताल प्रशासन ने उन्हें जे.जे. अस्पताल रेफर कर दिया। नवी मुंबई मनपा अस्पताल की फर्स्ट रेफरल यूनिट के राजेंद्र म्हात्रे के मुताबिक, 20 वर्षीय युवती की पीठ की त्वचा के ठीक नीचे गोली फंसी हुई थी। ऑपरेशन के लिए न्यूरोसर्जन की आवश्यकता को देखते हुए दोनों बहनों को जे.जे. अस्पताल भेजने का निर्णय लिया गया।

पूर्व प्रेम संबंधों में विवाद का मामला

दीपावली की रात आग का तांडव

- डोंगरी में 50 झुग्गियां जलकर राख
- हाजी कासम चॉल में कई दुकानें भी खाक
- विद्याविहार की 10 मंजिला व्यावसायिक इमारत में भी लगी आग

मुंबई। दीपावली की रात मुंबई के कई इलाकों में आग लगने की घटनाएं सामने आईं। डोंगरी के नूर बाग इलाके में भीषण आग से 40 से 50 झुग्गियां और कई दुकानें जलकर राख हो गईं। वहीं, विद्याविहार की एक 10 मंजिला व्यावसायिक इमारत में भी आग लग गई। राहत की बात रही कि दोनों घटनाओं में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

कोई जनहानि नहीं



डोंगरी के माहेश्वरी मार्ग पर दत्त मंदिर के पास स्थित हाजी कासम चॉल (नूर बाग) में रविवार देर रात आग लग गई। आग ने देखते ही देखते आसपास की 40 से 50 झुग्गियों और कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में दमकलकर्मी और पुलिस कर्मचारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने भी आग बुझाने और राहत कार्य में मदद की। घटनास्थल पर 108 एंबुलेंस सेवा के कर्मचारियों को भी तैनात किया गया था। विद्याविहार के स्काईलाइन परिसर स्थित 10 मंजिला व्यावसायिक इमारत में भी आग लग गई। आग सातवीं से दसवीं मंजिल तक फैल गई और तीन मंजिलों को भारी नुकसान पहुंचा। दीपावली की छुट्टी होने के कारण इमारत में कोई मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि टल गई।

दिवाली पर पटाखे फोड़ते समय बरतें विशेष सावधानी

मुंबई। दिवाली के दौरान पटाखे फोड़ते समय नागरिकों को विशेष सावधानी बरतने और आग से बचाव के सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील मुंबई अग्निशमन दल ने की है। मुंबई शहर और उपनगरों में पिछले 24 घंटों के दौरान आग लगने की कुल 142 घटनाएं सामने आई हैं। इनमें से 137 घटनाएं पटाखों के कारण हुई हैं। इन हादसों में दो महिलाएं घायल हुई हैं। आग की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए अग्निशमन दल ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है।

मुंबई अग्निशमन दल के अनुसार, 8 नवंबर 2026 को एक ही दिन में आग लगने की 142 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें से 137 घटनाएं पटाखों के कारण हुईं। इन घटनाओं में दो महिलाओं के घायल होने की जानकारी सामने आई है। दिवाली के दौरान पिछले दो वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष 2024 में मुंबई में आग लगने की कुल 262 घटनाएं दर्ज की गई थीं। इनमें 80 घटनाएं पटाखों के कारण हुई थीं। इन हादसों में तीन लोग घायल हुए थे।

वर्ष 2025 में आग लगने की घटनाओं की संख्या बढ़कर 289 हो गई थी। इनमें 113 घटनाएं पटाखों के कारण हुई थीं। हालांकि, उस वर्ष इन घटनाओं में किसी की मौत या घायल होने की सूचना दर्ज नहीं हुई थी।

इस वर्ष 8 नवंबर को एक ही दिन में 142 आग की घटनाएं दर्ज होने से अग्निशमन विभाग की चिंता बढ़ गई है।

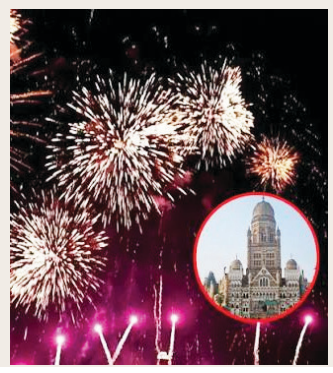
25 नवंबर तक रॉकेट और आसमान में उड़ने वाले पटाखों पर प्रतिबंध

- आगजनी की घटनाओं के बाद बीएमसी का फैसला, 9 नवंबर से लागू हुआ आदेश

मोहम्मद मुकीम शेख | मुंबई

मुंबई शहर और उपनगरों में पिछले दो दिनों के दौरान पटाखों से आग लगने की कई घटनाएं सामने आने के बाद बीएमसी ने रॉकेट और आसमान में उड़ने वाले इसी तरह के पटाखों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश 9 नवंबर 2026 से 25 नवंबर की रात 11.59 बजे तक लागू रहेगा। प्रशासन के अनुसार, रॉकेट और अन्य उड़ने वाले पटाखे आसपास की इमारतों की छतों, बालकनी, खिड़कियों और ज्वलनशील वस्तुओं पर गिरकर आग लगने का कारण बन सकते हैं। मुंबई की घनी आबादी, ऊंची इमारतों, झोपड़पट्टियों और संकरी सड़कों को देखते हुए सार्वजनिक सुरक्षा के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है।

आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत आदेश जारी



शहरी आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, मुंबई ने आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की विभिन्न धाराओं के तहत मिले अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए यह आदेश जारी किया है। प्रतिबंध आवासीय इमारतों, छतों, बालकनी, आंगन, पार्किंग स्थलों, झोपड़पट्टी क्षेत्रों और अन्य सभी परिसरों में लागू रहेगा। आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए संबंधित परिमंडलीय पुलिस उपायुक्तों, बीएमसी के वार्ड सहायक आयुक्तों और मुख्य अग्निशमन अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

महापौर ने की सुरक्षित दिवाली मनाने की अपील

मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े ने नागरिकों से अपील की है कि त्योहार की खुशियां किसी के दुख का कारण न बनें और पटाखे जलाते समय सुरक्षा को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार सार्वजनिक सड़कों, गलियों और फुटपाथों पर पटाखे फोड़ने की सख्त मनाही है। रॉकेट और आसमान में उड़ने वाले पटाखों से खिड़कियों, बालकनी और छतों पर आग लगने के साथ जान-माल के नुकसान का खतरा रहता है।

सूखाग्रस्त किसानों की मदद के लिए सिद्धिविनायक ट्रस्ट ने दिए 10 करोड़ रुपये

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त किसानों और प्रभावित नागरिकों की मदद के लिए श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट, प्रभादेवी ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 10 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी है। ट्रस्ट प्रबंधन समिति ने सामाजिक प्रतिबद्धता के तहत सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया, ताकि सूखे की मार झेल रहे किसानों को राहत मिल सके।

सोमवार को मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त सदानंद सरवणकर, कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी और अन्य ट्रस्टियों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को 10 करोड़ रुपये का चेक सौंपा। इस अवसर पर ट्रस्टी मीना कांबली, महेश मुदलियार, गोपाल दलवी, जितेंद्र राउत, मनीषा तुपे, सुदर्शन सांगले और कार्यकारी अधिकारी राखी चव्हाण उपस्थित थीं।



बाढ़ पीड़ितों की भी की थी मदद

कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने बताया कि पिछले वर्ष महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश से आई बाढ़ के दौरान भी ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 10 करोड़ रुपये की सहायता दी थी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के समय राज्य के नागरिकों के साथ खड़े रहने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ट्रस्ट ने एक बार फिर सामाजिक जिम्मेदारी निभाई है।

मध्य रेल

सामग्री के प्रापण हेतू

निविदा सं.22/2026 दिनांक 04.11.2026 भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से, वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबन्धक, मुंबई डिविजन, छ.शि.म.ट., मुम्बई द्वारा निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रानिक निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्र.सं:-** 1, **निविदा सं.:-** 92266207, **विवरण:-** WAP-5 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए 3-फेज एसिंक्रोनस ट्रैक्शन मोटर (6FXA7059) -रूपसिफिकेशन 4TMS.097.001.Rev.1 या नवीनतम संस्करण के अनुसार [वारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख से 30 महीने] **मात्रा:-** 4 No., **धरोहर राशि (रु.):-** 273860, **खुलने की तिथी:-** 28.12.2026, **क्र.सं:-** 2, **निविदा सं.:-** 92265955A, **विवरण:-** TEC नंबर GR/CUG-01/03 अगस्त 2003 के अनुसार 0.5 mm व्यास वाले 20 पेयर आर्मर्ड PIJF केबल की आपूर्ति। [वारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख के बाद 30 महीने], **मात्रा:-** 54000 MTR, **धरोहर राशि (रु.):-** 251760, **खुलने की तिथी:-** 14.12.2026, **नोट:-** 1. उपरोक्त निविदाएं IREPS वेब **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है। फर्म, जो उपरोक्त ई-निविदा में भाग लेने के इच्छुक हों, को सलाह दी जाती है कि वे उपरोक्त वेबसाईट पर अपना ईलेक्ट्रोनिक पंजीकरण करा लें। इस ई-निविदा के लिए हस्तलिखित निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी। **2.** निविदाताओं को धरोहर राशि का भुगतान IREPS के माध्यम से ऑन लाइन करना होगा। **3.** इन निविदाओं के विवरण तथा अन्य शर्तों हेतू कृपया IREPS वेब साईट **www.ireps.gov.in** देखें। **4.** किसी शंका हेतु कृपया वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबन्धक, मुंबई डिविजन, छ.शि.म.ट. मुम्बई-400001 को लिखें। ई-मेल: **srdmm@bb.railnet.gov.in** **नोट:** - यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017/दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है। **729**

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

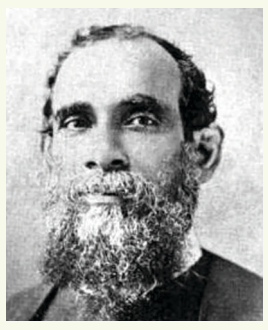
संपादकीय

ट्रंप की हार, नई उम्मीदें

शेयर बाजार में पिछले दिनों आया उछाल भारतीय निवेशकों के लिए दीपावली के उपहार की तरह है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि अमेरिका में मध्यावधि चुनावों में ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन की हार से तेल के दाम कम हुए। इसका लाभ भारत को मिलेगा। अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में एआइ कंपनियों के तेजी से बनते डाटा सेंटर एक मुद्दा बन गए थे, क्योंकि उनमें बिजली और पानी की अधिक खपत होती है। इसका अमेरिकी नागरिक विरोध कर रहे थे। उनकी चिंताओं को डेमोक्रेटिक पार्टी ने भुनाया। डेमोक्रेट का संसद के दोनों सदनों में नियंत्रण होने के बाद माना जा रहा है कि एआइ कंपनियों के डाटा सेंटरों के लिए नियम सख्त होंगे। इससे अमेरिका में एआइ कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई। इसके नतीजे में अन्य देशों के भी शेयर बाजार गिरे, लेकिन भारत में ऐसा इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि निवेशकों को यह संदेश गया कि जोखिम वाले एआइ शेयरों से पैसा निकालकर उसे भारत में लगाना एक सुरक्षित विकल्प है, क्योंकि अमेरिका, ताइवान आदि की कंपनियां चिप्स, सर्वर और डाटा सेंटर पर अरबों डालर का जो पूंजीगत खर्च कर रही हैं, उसके रिटर्न पर सवाल उठने लगे हैं। इसके उलट भारतीय आइटी एवं सर्विस सेक्टर का माडल ऐसा है कि उसका डाटा सेंटर या चिप निर्माण से जुड़े जोखिमों से वास्ता नहीं। इसी कारण अन्य देशों के शेयर बाजारों जैसा भारतीय शेयर बाजार में नहीं हुआ। अमेरिका में बदले राजनीतिक हालात के कारण निवेशकों की भारत को लेकर बढ़ी दिलचस्पी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छी खबर है। इससे अच्छा और कुछ नहीं कि यह खबर सुख-समृद्धि के त्योहार दीपावली के पहले आई। पिछले कुछ समय में भारत में मध्य वर्ग की संख्या तेजी से बढ़ी है। इस वर्ग का एक हिस्स शेयर बाजार में म्यूचुअल फंडों के जरिये निवेश करता है। शेयर बाजार में लंबे समय से छाई अनिश्चितता से इन निवेशकों की नींद उड़ी हुई थी। इस अनिश्चितता का एक प्रमुख कारण ट्रंप की नीतियां थीं। उनकी ओर से ईरान के खिलाफ जो युद्ध छेड़ा गया, उसके चलते पश्चिम एशिया से ऊर्जा का निर्यात करने वाला होर्मुज समुद्री मार्ग बाधित हो गया। इससे पेट्रोल, डीजल, गैस आदि के दाम बढ़े और इसका बुरा असर विश्व अर्थव्यवस्था पर पड़ा। इसके अलावा ईरान पर लगाम लगाने के लिए ट्रंप ने उसके साथ-साथ उससे व्यापार करने वाले देशों पर जो प्रतिबंध लगाए, उनके कारण भी आर्थिक समस्याएं बढ़ीं। मध्यावधि चुनाव में ट्रंप को लगे झटके से विश्व में अस्थिरता कम होने की जो उम्मीद बढ़ी, उसका भी भारत के शेयर बाजार पर सकारात्मक असर पड़ा। इसके अलावा ट्रंप को लगे झटके से अमेरिका और भारत के रिश्ते सामान्य होने की जो संभावना बढ़ी, उसने भी भारतीय कारोबार जगत को उत्साहित किया। ट्रंप व्यापार समझौते को लेकर अड़ियल रवैया अपनाए हुए थे, पर भारत उनके दबाव का प्रतिकार करता रहा। चूंकि डेमोक्रेट ट्रंप की टैरिफ नीति के विरोधी हैं और भारत का महत्व समझते हैं, इसलिए वे ट्रंप पर दबाव बना सकते हैं कि अटके पड़े व्यापार समझौते को शीघ्र अंतिम रूप दें। यदि ऐसा हो जाता है, तो भारतीय अर्थव्यवस्था को और बल मिलेगा।

शख्सियत | राष्ट्रगुरु सुरेन्द्रनाथ बनर्जी

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के अग्रदूत



सुरेन्द्रनाथ बनर्जी भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के शुरुआती दौर के उन महान नेताओं में से हैं, जिन्होंने देश में राजनीतिक चेतना जगाने और आधुनिक राष्ट्रवाद की नींव रखने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई।

उन्हें आदर और सम्मान से राष्ट्रगुरु कहा जाता है। उन्होंने ऐसे समय में भारतीय जनमानस को संगठित करने का कार्य किया, जब भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ संगठित विरोध की शुरुआत ही हो रही थी। सुरेन्द्रनाथ बनर्जी का जन्म 10 नवंबर 1848 को कलकत्ता (अब कोलकाता) में एक संभ्रांत बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता डॉ. दुर्गाचरण बनर्जी एक सम्मानित चिकित्सक थे, जिन्होंने सुरेन्द्रनाथ को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान की। कलकत्ता के डोवटन कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद, वे उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड चले गए। वर्ष 1869 में उन्होंने कठिन इंडियन सिविल सर्विस की परीक्षा उत्तीर्ण की। हालांकि, आयु संबंधी विवाद के कारण अंग्रेजों ने शुरुआत में उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया था, लेकिन कानूनी लड़ाई जीतने के बाद उन्हें असम के सिलहट में सहायक मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया। ब्रिटिश प्रशासन का भारतीय अधिकारियों के प्रति नस्लीय और भेदभावपूर्ण रवैया सुरेन्द्रनाथ बनर्जी के मामले में खुलकर सामने आया। एक मामूली प्रशासनिक प्रक्रियात्मक गलती को आधार बनाकर 1874 में उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। इस घटना ने उनके जीवन की दिशा पूरी तरह बदल दी। उन्होंने प्रशासनिक सेवा की व्यक्तिगत सफलता के स्थान पर अपना पूरा जीवन राष्ट्र सेवा और देशवासियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में समर्पित करने का संकल्प लिया। सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने महसूस किया कि अंग्रेजों का मुकाबला करने के लिए एक संगठित मंच की आवश्यकता है। इस उद्देश्य से उन्होंने 1876 में आनंदमोहन बोस के साथ मिलकर इंडियन एसोसिएशन की स्थापना की। यह भारत के शुरुआती राजनीतिक संगठनों में से एक था, जिसने सिविल सर्विस परीक्षा की आयु सीमा घटाए जाने और वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट जैसे काले कानूनों के खिलाफ देशभर में अभियान चलाया। 1883 और 1885 में उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया, जो आगे चलकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गठन की पूर्वपीठिका बनी। जब 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई, तो सुरेन्द्रनाथ बनर्जी इसके सबसे प्रमुख नेताओं में से एक बने। वे दो बार—1895 और 1902—कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। 1905 में जब लॉर्ड कर्जन ने बंगाल के विभाजन की घोषणा की, तब सुरेन्द्रनाथ बनर्जी इसके विरोध में आंदोलन के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे। उनके ओजस्वी भाषणों ने बंगाल के युवाओं और आम जनता में देशभक्ति का तीव्र संचार किया। स्वदेशी आंदोलन और ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार के आह्वान में उनकी भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही। उन्होंने अपनी बात जनता तक पहुँचाने के लिए पत्रकारिता का भी सहारा लिया। अपने समाचार पत्र द बंगाली के माध्यम से वे ब्रिटिश नीतियों की तीखी आलोचना करते थे और भारतीयों को उनके राजनीतिक अधिकारों के प्रति जागरूक करते थे। सुरेन्द्रनाथ बनर्जी कांग्रेस के उदारवादी धड़े के नेता थे। उनका मानना था कि संवैधानिक तरीकों, याचिकाओं, सभाओं और विधिक बहस के जरिए अंग्रेजों से अधिकार हासिल किए जा सकते हैं।

गोवर्धन पूजा: आधुनिक इंसान की अंधी दौड़



अमित बृज
कार्यकारी संपादक

गोवर्धन पूजा केवल एक पारंपरिक अनुष्ठान या लोक-पर्व भर नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता, पर्यावरण चेतना और हमारे आंतरिक मनोविज्ञान का एक अत्यंत गहरा दार्शनिक दस्तावेज है। दीपोत्सव के ठीक अगले दिन मनाए जाने वाले इस पर्व की जड़ें सीधे तौर पर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और संतुलन से जुड़ी हैं। आज के इस दौर में, जब मानव जाति वैज्ञानिक प्रगति और तकनीकी विकास के शिखर पर बैठी है, तब गोवर्धन पूजा का प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ जाती है। यह पर्व हमें आईना दिखाता है कि भौतिक सुविधाओं और अंधी दौड़ के बीच हमने अपने वास्तविक सुख को पीछे छोड़ दिया है और आधुनिक मनुष्य के भीतर की बेचैनी का मूल कारण क्या है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान कृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र के अहंकार को तोड़ने और गोवर्धन पर्वत की पूजा करने के लिए प्रेरित किया था। गोवर्धन पर्वत उस पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक है जो जीवन का आधार है—जंगल, नदियां, पर्वत, पशुधन और शुद्ध हवा। प्राचीन काल में हमारे पूर्वज यह भली-भांति समझते थे कि मनुष्य का अस्तित्व प्रकृति के बिना असंभव है। गोवर्धन पूजा हमें यह सिखाती है कि हमारी आजीविका, हमारा पोषण और हमारा जीवन उन प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर है, जिन्हें हम आज संसाधनों के दोहन के नाम पर नष्ट कर रहे हैं। जब हम प्रकृति को पूजते हैं, तो हम उसके प्रति अपने दोहन को रोककर संरक्षण का भाव पैदा करते हैं। मानवता के दृष्टिकोण से यह पर्व हमें चेताता है कि यदि प्रकृति बची रहेगी, तभी मानव जीवन सुरक्षित रहेगा।

> पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान कृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र के अहंकार को तोड़ने और गोवर्धन पर्वत की पूजा करने के लिए प्रेरित किया था। गोवर्धन पर्वत उस पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक है जो जीवन का आधार है—जंगल, नदियां, पर्वत, पशुधन और शुद्ध हवा। प्राचीन काल में हमारे पूर्वज यह भली-भांति समझते थे कि मनुष्य का अस्तित्व प्रकृति के बिना असंभव है। गोवर्धन पूजा हमें यह सिखाती है कि हमारी आजीविका, हमारा पोषण और हमारा जीवन उन प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर है, जिन्हें हम आज संसाधनों के दोहन के नाम पर नष्ट कर रहे हैं।

आज का इंसान एक ऐसी अंधी दौड़ का हिस्सा बन चुका है, जिसका कोई अंत नहीं है। विज्ञान और तकनीक ने हमारे जीवन को सुविधाजनक तो बहुत बना दिया है, लेकिन क्या इसने हमारे जीवन को सुखी बनाया है? यह आज का सबसे बड़ा सवाल है। सुविधा और सुख में एक बारीक अंतर होता है, जिसे आज का मनुष्य भूल चुका है। सुविधा बाहरी चीजों से जुड़ी है—जैसे एसी कमरे, तेज रफ्तार गाड़ियां, आधुनिक गैजेट्स और बैंक बैलेंस। वहीं, सुख एक आंतरिक अनुभूति है—संतोष, शांति, मानसिक स्थिरता और अपनों के साथ बिताए गए आत्मीय पल। इंसान ने सुख को पूरी तरह से सुविधाओं के विकल्प के रूप में देखना शुरू कर दिया है। वह यह मान बैठा है कि जितनी अधिक भौतिक वस्तुएं उसके पास होंगी, वह उतना ही अधिक सुखी होगा।

इस भ्रम के चलते, इंसान ने जीवन के मूलभूत आनंद को छोड़ दिया है। सुबह की ताजी हवा में सांस लेना, पक्षियों की चहचहाहट सुनना, परिवार के साथ बैठकर भोजन करना और रिश्तों में समय बिताना अब पीछे छूट गया है। इसके बदले उसने कंक्रीट के जंगलों में एक यांत्रिक जीवन



चुन लिया है। सुविधाओं के इस जाल में उलझकर इंसान ने अपने उस सहज और सरल सुख का त्याग कर दिया है, जो मन की शांति में बसता था। आज के समय में अवसाद, तनाव, एंग्जायटी और बेचैनी महामारी की तरह फैल चुकी है। हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी मानसिक उलझन में फंसा है। इसके मुख्य कारणों को गहराई से समझें तो तस्वीर साफ हो जाती है। सोशल मीडिया के इस दौर में हर कोई दूसरों के जीवन से अपनी तुलना कर रहा है। पड़ोसी की बड़ी गाड़ी, सहकर्मी का प्रमोशन या किसी इनफ्लुएंसर की लक्जरी लाइफस्टाइल इंसान के मन में कभी न खत्म होने वाली ईर्ष्या और दौड़ पैदा कर रही है। जितना है, उसमें संतोष का भाव समाप्त हो चुका है।

मनुष्य मूल रूप से प्रकृति का हिस्सा है, लेकिन आज वह चार दीवारों और स्क्रीन के बीच कैद होकर रह गया है। प्रकृति से यह अलगाव ही इंसान के भीतर की जैविक और मानसिक लय को बिगाड़ रहा है, जिससे वह लगातार बेचैन महसूस करता है। आज का इंसान रुकना भूल गया है। वह हमेशा भविष्य की चिंता में या अतीत के पछतावे में जीता है। वर्तमान क्षण में जीने की कला वह खो चुका है, और बेचैनी हमेशा भविष्य की अनिश्चितता से जन्म लेती है। बाजारवाद ने इंसान को यह यकीन दिला दिया है कि तुम वही हो जो तुम खरीदते हो। विज्ञापन हमारी जरूरतें तय कर रहे हैं। जब जरूरतें कभी खत्म नहीं होतीं, तो इच्छाओं का बोझ इंसान को अंदर से तोड़ देता है। गोवर्धन पूजा हमें इन तमाम समस्याओं का एक शाश्वत समाधान प्रदान करती है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में संयम और संतुलन ही सबसे बड़ा धन है।

गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा इस बात का प्रतीक है कि प्रकृति और जीवन एक चक्र में बंधे हैं। हमें इस चक्र का सम्मान करना चाहिए, न कि इसका शोषण। जिस प्रकार भगवान कृष्ण ने गोवर्धन को उंगली पर उठाकर अहंकार को मिटाया था, उसी प्रकार आज के मनुष्य को अपनी अंधी महत्वाकांक्षाओं और अहंकार के पहाड़ को गिराने की जरूरत है। मानवता की सच्ची भलाई इसी में है कि हम भौतिकता की अंधी दौड़ से थोड़ा बाहर निकलें। सुख कोई ऐसी वस्तु नहीं है जिसे बाजार से खरीदा जा सके; यह हमारे भीतर की संतुष्टि और करुणा से उपजता है। जब हम लालच छोड़कर प्रकृति और समाज के साथ तालमेल बिठाकर जीना सीखेंगे, तभी हमारे जीवन की बेचैनी समाप्त होगी।

गोवर्धन पूजा हमें यह याद दिलाने आती है कि इंसान की महानता उसके पास मौजूद आधुनिक सुख-सुविधाओं से नहीं, बल्कि उसके जीवन मूल्यों, प्रकृति के प्रति प्रेम और आंतरिक शांति से आंकी जाती है। यदि हम अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी से थोड़ा वक्त निकालकर इस पर्व के दार्शनिक मर्म को समझ सकें, तो हम अपनी आधुनिक बेचैनी का इलाज खुद पा सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम सुविधाओं के पीछे भागना बंद कर, जीवन के असली सुकून—संतोष, सह-अस्तित्व और प्रकृति प्रेम—को अपने जीवन का केंद्र बनाएं।

हमारी गीता

शक्ति व शांति का परस्पर रिश्ता



स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति उसका मन है। हम भोजन और वायु से जो ऊर्जा प्राप्त करते हैं, उसका उपयोग करने में मन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शारीरिक श्रम की अपेक्षा मानसिक और बौद्धिक श्रम में भी बहुत ऊर्जा खर्च होती है। इसलिए मन की शक्ति को समझना और उसे सही दिशा में लगाना आवश्यक है। मन शांत हो तो शक्ति का संचय होता है। हालांकि मन का स्वभाव निरंतर विचारों में प्रवाहित होते रहना है। मन को शांत करने का अर्थ विचारों के प्रवाह को पूरी तरह रोकना नहीं, बल्कि उसकी गति और अनावश्यक चंचलता को कम करना है। इसे नदी के उदाहरण से समझ सकते हैं। नदी का पानी निरंतर बहता रहता है तो वह स्वच्छ रहता है, उपयोगी होता है और उससे ऊर्जा भी उत्पन्न की जा सकती है। लेकिन अतिवृष्टि के कारण जब बाढ़ आती है तो वही पानी विनाशकारी बन जाता है। वह जीवन और संपत्ति को नष्ट करता है। पानी मटमैला और दूषित हो जाता है, जिससे बीमारियां भी फैल सकती हैं। इसी प्रकार मन में विचारों का प्रवाह जब अत्यधिक तेज हो जाता है और विचारों की संख्या तथा उनकी तीव्रता बढ़ जाती है, तब अशांति पैदा होती है। मन की शक्ति और शांति को सबसे अधिक नष्ट करने वाली वृत्तियां हैं स्पृहा, कामना और अहंकार। एक कामना पूरी होने से पहले ही दूसरी कामना जन्म लेने लगती है। बाहरी वस्तुओं और विषयों को पाने की निरंतर इच्छा मनुष्य की मानसिक ऊर्जा को खर्च करती रहती है। इच्छाएं जितनी अधिक होंगी, मन की शक्ति का अपव्यय भी उतना ही अधिक होगा। मन के अनेक महत्वपूर्ण कार्य हैं। चेतना, अवधान, ग्रहण, स्मरण, धारण और कल्पना जैसी क्षमताएं मन के माध्यम से ही विकसित होती हैं। यदि मन की अधिकांश ऊर्जा केवल इच्छाओं और कामनाओं को पूरा करने में लग जाएगी तो इन महत्वपूर्ण क्षमताओं के विकास के लिए शक्ति ही नहीं बचेगी। परिणामस्वरूप जीवन की सफलता और रचनात्मकता प्रभावित होती है।

जीवन ऊर्जा | मार्टिन लूथर : 10 नवम्बर 1483 | जन्म

जीवन का असली उद्देश्य दूसरों की भलाई करना है

10 नवम्बर 1483 को आइसलेबेन जर्मनी में जन्मे मार्टिन लूथर एक प्रसिद्ध जर्मन धर्मशास्त्री और ईसाई धर्म में प्रोटेस्टेंट सुधार आंदोलन के संस्थापक थे। उन्होंने चर्च के भ्रष्टाचार और कुप्रथाओं के खिलाफ कड़ा संघर्ष किया तथा बाइबल का जर्मन भाषा में अनुवाद कर इसे आम लोगों तक पहुँचाया। 18 फरवरी 1546 को उनका निधन हो गया।

विश्वास वह भरोसा है जो होने वाली चीजों की उम्मीद करता है और जो चीजें दिखाई नहीं देतीं उनका प्रमाण देता है। शांति यदि संभव हो तो सच्चाई के साथ लेकिन हर हाल में शांति बनाए रखना जरूरी है। युद्ध दुनिया की सबसे बड़ी आपदा है जो किसी भी देश को पूरी तरह तबाह कर सकती है। प्रार्थना दिल का वह व्यवसाय है जो परमेश्वर के साथ सीधा संवाद स्थापित करता है। मनुष्य जो कुछ भी करता है वह उसे पूरी तन्मयता और अपने पूरे दिल से करना चाहिए। संगीत परमेश्वर की एक महान देन है और यह मनुष्य के दिल को सबसे ज्यादा शांति देता है। एक सच्चा ईसाई अपने विचारों और कर्मों दोनों से पहचाना जाता है। मनुष्य को अपनी गलतियों से डरना नहीं चाहिए बल्कि उनसे सीखकर



आगे बढ़ना चाहिए। ज्ञान और शिक्षा वह सबसे बड़ा हथियार है जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। अहंकार इंसान का सबसे बड़ा दुश्मन है जो उसे सही और गलत में फर्क करना भुला देता है। मनुष्य का जीवन संघर्षों से भरा होता है और यही संघर्ष उसे मजबूत बनाते हैं। न्याय वह आधार है जिस पर किसी भी सभ्य समाज की नींव टिकी होती है। प्रेम वह शक्ति है जो नफरत को भी प्यार में बदल सकती है। हर व्यक्ति को अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए। सत्य कभी छिप नहीं सकता वह किसी न किसी रूप में सामने आ ही जाता है। निराशा मनुष्य की आधी ताकत को खत्म कर देती है इसलिए हमेशा सकारात्मक सोचें। किसी भी महान कार्य को करने के लिए अटूट विश्वास और दृढ़ संकल्प की जरूरत होती है। समय किसी के लिए नहीं रुकता इसलिए इसका सदुपयोग करना ही बुद्धिमानी है। एक अच्छा दोस्त वह है जो मुश्किल समय में आपका साथ कभी न छोड़े। क्रोध मनुष्य की बुद्धि को भ्रष्ट कर देता है इसलिए इस पर नियंत्रण रखना आवश्यक है। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं है बल्कि यह जीवन जीने की कला सिखाती है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

जीवन की महानता रास्ते में नहीं, उसे निभाने के तरीके में है



भारतीय संस्कृति में गृहस्थ जीवन और संन्यास, दोनों को जीवन के महत्वपूर्ण मार्ग माना गया है। एक ओर गृहस्थ जीवन में परिवार, रिश्तों और जिम्मेदारियों का निर्वाह करना होता है, तो दूसरी ओर संन्यास का मार्ग त्याग, तपस्या और आत्मसंयम की परीक्षा लेता है। लेकिन संत कबीर की एक प्रेरक कथा बताती है कि मनुष्य की महानता इस बात में नहीं है कि उसने कौन सा मार्ग चुना, बल्कि इस बात में है कि वह अपने चुने हुए मार्ग पर किस प्रकार चलता है। एक दिन एक व्यक्ति संत कबीर के पास आया और बोला, महाराज, मेरी शिक्षा पूरी हो गई है। अब मैं सोच रहा हूं कि विवाह करके गृहस्थ जीवन बिताऊं या संन्यास लेकर साधु बन जाऊं। आप बताइए, मेरे लिए कौन सा रास्ता अच्छा रहेगा? कबीर मुस्कुराए और बोले, बेटा, दोनों ही रास्ते अच्छे हैं। अंतर रास्ते में नहीं, बल्कि उसे निभाने के तरीके में होता है। गृहस्थ बनो तो आदर्श गृहस्थ बनना और संन्यासी बनो तो आदर्श संन्यासी। उस व्यक्ति ने पूछा कि आदर्श कैसे बनें? कबीर ने कहा, समय आने पर तुम्हें इसका उत्तर मिल जाएगा। कुछ दिनों बाद दोपहर के समय कबीर अपने घर में कपड़ा बुन रहे थे। चारों ओर पर्याप्त रोशनी थी। फिर भी उन्होंने अपनी पत्नी से कहा कि जरा दीपक जला लाओ। पत्नी ने बिना कोई सवाल किए दीपक जलाया और उनके पास रख दिया। कबीर अपना काम करते रहे। उस समय उनके साथ आया व्यक्ति भी यह सब देख रहा था, लेकिन उसे इस व्यवहार का कारण समझ में नहीं आया। उसी शाम कबीर उसे लेकर एक पहाड़ी पर पहुंचे। वहां एक बहुत बुजुर्ग साधु अपनी कुटिया में रहते थे। कबीर ने आवाज लगाई, महाराज, जरा नीचे आइए, आपसे कुछ पूछना है। बुजुर्ग साधु फिर अपनी कुटिया में चले गए। कबीर ने तीसरी बार आवाज लगाई। इस बार साधु बहुत थक चुके थे। उनकी सांस फूल रही थी और पैर कांप रहे थे। फिर भी वे बिना नाराज हुए नीचे आए। कबीर ने पूछा, महाराज, आपके कितने दांत अभी बाकी हैं? साधु ने शांतिपूर्वक उत्तर दिया कि आधे दांत अभी बाकी हैं। इसके बाद वे बिना क्रोध किए वापस अपनी कुटिया में चले गए। घर लौटते समय उस व्यक्ति ने कबीर से पूछा, महाराज, अब तो मेरे प्रश्न का उत्तर बता दीजिए। कबीर बोले, बेटा, आज तुमने दो उदाहरण देखे। यदि गृहस्थ जीवन अपनाना चाहते हो तो ऐसा व्यवहार करना कि घर में प्रेम, विश्वास और सम्मान बना रहे। मेरी पत्नी ने दिन में दीपक लाने की बात पर सवाल नहीं किया, क्योंकि हमारे बीच आपसी विश्वास और समझ है। गृहस्थ जीवन केवल साथ रहने का नाम नहीं, बल्कि एक-दूसरे की भावनाओं और विश्वास का सम्मान करने का नाम है। और यदि संन्यास का मार्ग चुनना चाहते हो तो उस साधु की तरह धैर्यवान बनो, जो बार-बार बुलाए जाने और कष्ट होने के बावजूद क्रोधित नहीं हुआ। संन्यास केवल घर छोड़ देने से नहीं आता, बल्कि अपने क्रोध, अहंकार और इच्छाओं पर विजय पाने से आता है।





पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

सुनील तटकरे अंतुले साहब के निजी सहायक थे। उन्होंने ही अंतुले साहब को खत्म किया। तटकरे अपने करीब आने वाले हर व्यक्ति को मार डालते हैं। मैंने सुना है कि वे खुद उपमुख्यमंत्री बनना चाहते थे। तो क्या अजीत की हत्या के पीछे भी तटकरे का हाथ था? इसकी जांच होनी चाहिए। तटकरे अपनी भयानक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं।



-रामदास कदम
वरिष्ठ नेता, शिवसेना

पटाखों से निकले रॉकेटों का लोगों के घरों में घुसकर आग लगाना बेहद गंभीर घटना है। ऐसी घटनाओं पर पुलिस और प्रशासन द्वारा तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। स्पष्टीकरण दिया जाना चाहिए। पिछले दो दिनों में मुंबई और ठाणे जैसे शहरों में ऐसी ही भयावह घटनाएं सामने आई हैं।



-आदित्य ठाकरे
विधायक, शिवसेना UBT

ईद का अपना महत्व है और दिवाली की अपनी पवित्रता, परंपरा और पहचान है। क्या कांग्रेस के कथित धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हिंदू त्योहारों की पहचान बदलना राजनीतिक शिष्टाचार बन गया है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे क्या कभी ईद को 'खुशियों की दिवाली' कहने की हिम्मत करेंगे।



-गौरव भाटिया
राष्ट्रीय प्रवक्ता,बीजेपी

मुझे पता है, गोकुल का नंबर 13 नहीं, बल्कि उससे अधिक है, उन्होंने वहीं से पहली चाल चली, लेकिन ठीक है, चुनाव आयोग है, सरकार है, यहां तक कि अधिकारी भी सरकार के दबाव में हैं, यहां तक कि महाराष्ट्र के अधिकारी भी हैं, मजबूरी में परिणाम वाले दिन उन्हें कुछ नतीजे देने पड़े और अंत में उन्होंने महाराष्ट्र को दिखाया कि स्कोर 13-12 था।



-विश्वजीत कदम
विधायक, कांग्रेस

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

अटल सेतु को मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले कनेक्टर का 67% काम पूरा

पनवेल जंक्शन पर घटेगा जाम का दबाव, दक्षिण मुंबई से पुणे की यात्रा में 60 से 90 मिनट तक की बचत का अनुमान

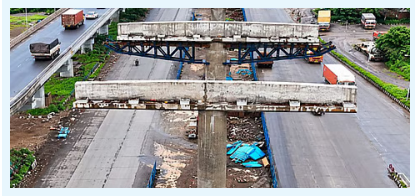
डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई से पुणे जाने वाले वाहन चालकों को जल्द बड़ी राहत मिल सकती है। अटल सेतु (मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक) को मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाली 7.35 किलोमीटर लंबी छह लेन की एलिवेटेड कनेक्टर परियोजना का 67 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) की इस परियोजना से पनवेल जंक्शन पर यातायात का दबाव कम होगा। इसके शुरू होने से दक्षिण मुंबई से पुणे के बीच यात्रा समय में करीब 60 से 90 मिनट तक की बचत होने का अनुमान है।

पनवेल जंक्शन को जाम से मिलेगी राहत

फिलहाल अटल सेतु से आने वाला यातायात पनवेल में मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे और अन्य प्रमुख राजमार्गों के वाहनों के साथ मिल जाता है, जिससे जाम की स्थिति बनती है। प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर वाहनों को इस व्यस्त जंक्शन से बचाते हुए सीधे एक्सप्रेसवे तक पहुंचाएगा। इससे मुंबई, नवी मुंबई, पुणे और गोवा की ओर आवाजाही अधिक सुगम होगी। साथ ही नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह (जेएनपीए) तक कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी।

चिर्ले में नींव का काम पूरा



एमएमआरडीए के अनुसार, चिर्ले और पलस्पे खंडों में निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। चिर्ले खंड में 113 पाइल्स और 42 ओपन फाउंडेशन सहित नींव का काम 100 प्रतिशत पूरा हो चुका है। कुल 155 में से 153 पिलर तैयार हैं। डेक स्लैब का 49 प्रतिशत काम पूरा हुआ है और 240 में से 117 स्पैन का निर्माण किया जा चुका है। रीइन्फोर्स्ड अर्थ (आरई) वॉल पैनल का 90 प्रतिशत और रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का 85 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। वहीं, पलस्पे खंड में 21 पाइल-ग्रुप फाउंडेशन में से 15 का निर्माण पूरा हुआ है। यहां नींव का काम 71 प्रतिशत और पिलर निर्माण 38 प्रतिशत तक पहुंच गया है। गर्डर कास्टिंग पूरी हो चुकी है, जबकि आरई वॉल पैनल का 90 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण जारी है। यह कॉरिडोर मुंबई-पुणे यात्रा को तेज करने के साथ ही नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंच आसान बनाएगा। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग-48 और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह की ओर जाने वाले एनएच-348 पर यातायात का बेहतर वितरण संभव होगा। इससे मालवाहक वाहनों और लॉजिस्टिक्स गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है। परियोजना की खासियत इसका तीसरे स्तर का एलिवेटेड निर्माण है, जिसे मौजूदा सड़कों और पुलों के ऊपर विकसित किया जा रहा है। इससे उपलब्ध सड़क क्षेत्र का अधिकतम उपयोग करते हुए यातायात को निर्बाध रखने की योजना है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अनुसार, यह कनेक्टर महाराष्ट्र के प्रमुख आर्थिक केंद्रों को जोड़ने, निवेश आकर्षित करने और लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। उपमुख्यमंत्री एवं एमएमआरडीए अध्यक्ष एकनाथ शिंदे ने कहा कि परियोजना से यात्रियों का समय बचेगा और पनवेल के आसपास जाम का दबाव घटेगा। महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी ने 67 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा होने को महत्वपूर्ण पड़ाव बताया।

8 जनवरी तक रॉकेट आतिशबाजी पर प्रतिबंध

आग लगने की घटनाओं को देखते हुए जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल का आदेश

सार्वजनिक और निजी परिसरों में भी लागू रहेगी रोक

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिले में रॉकेट और हवा में उड़ने वाली इसी तरह की आतिशबाजी पर 8 जनवरी 2027 तक प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिलाधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने आग लगने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए यह आदेश जारी किया है। प्रतिबंध 9 नवंबर 2026 को दोपहर 12.01 बजे से 8 जनवरी 2027 की रात 11.59 बजे तक लागू रहेगा।

आगजनी की घटनाओं के मद्देनजर फैसला



जिलाधिकारी के आदेश के अनुसार, रिहायशी और घनी आबादी वाले क्षेत्रों, पार्किंग स्थलों तथा इमारतों की छतों से बड़ी संख्या में रॉकेट और अन्य उड़ने वाले पटाखे छोड़े जा रहे हैं। इनके कारण इमारतों में आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। ऐसे हादसों को रोकने और आपात स्थिति से निपटने के लिए तत्काल प्रतिबंध लगाना आवश्यक हो गया था। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत जारी यह आदेश सार्वजनिक और निजी स्थानों, इमारतों की छतों, बालकनी, आंगन और सभी रिहायशी परिसरों में लागू होगा। प्रशासन ने नागरिकों से आदेश का पालन करने और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रॉकेट व हवा में उड़ने वाले पटाखों का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की है।

वसई-विरार में ज्येष्ठ नागरिक संघों को मिलेगा वार्षिक अनुदान

वसई-विरार। ज्येष्ठ नागरिकों की सामाजिक भागीदारी, स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से वसई-विरार शहर महानगरपालिका ने ज्येष्ठ नागरिक संघ अनुदान योजना शुरू की है। महासभा से मंजूरी मिलने के बाद इस योजना के तहत महानगरपालिका क्षेत्र में कार्यरत ज्येष्ठ नागरिक संघों को वार्षिक अनुदान दिया जाएगा। इसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रमों को बढ़ावा देना और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। योजना का लाभ लेने के इच्छुक ज्येष्ठ नागरिक संघों को निर्धारित आवेदन पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ 1 दिसंबर 2026 तक जमा करना होगा। आवेदन सामाजिक न्याय एवं समाज कल्याण विभाग, वसई-विरार महानगरपालिका मुख्यालय, पांचवीं मंजिल, विरार (पश्चिम) में स्वीकार किए जाएंगे।

छठ पूजा के लिए ठाणे मनपा की तैयारी पूरी

घाटों पर सीसीटीवी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

13 से 16 नवंबर तक चलेगा पर्व, रायलादेवी, मसुंदा और उपवन झील पर उमड़ेंगे श्रद्धालु

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

छठ पूजा के मद्देनजर ठाणे महानगरपालिका ने शहर के प्रमुख घाटों पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। यह पर्व 13 नवंबर से शुरू होकर 16 नवंबर को संपन्न होगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधाओं को लेकर सोमवार को मनपा के अरविंद पेंडसे हॉल में समीक्षा बैठक हुई। उपायुक्त जी.जी. गोडेपुरे ने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।

घाटों पर सफाई, पानी और रोशनी की व्यवस्था



बैठक में शहर के सभी छठ पूजा घाटों की तैयारियों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को घाटों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई, पीने के पानी, कचरा प्रबंधन, शौचालय, पर्याप्त रोशनी और ध्वनि व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। झीलों और प्रवेश मार्गों पर अतिरिक्त लाइटें लगाने के भी निर्देश दिए गए। रायलादेवी, मसुंदा और उपवन झील क्षेत्रों में छठ पूजा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए भीड़भाड़ वाले स्थानों और झील परिसर में जरूरत के अनुसार अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, बैरिकेडिंग और श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन के लिए अलग सुरक्षा कॉरिडोर बनाने तथा पर्याप्त कर्मचारियों की तैनाती करने को कहा गया है।

आपात स्थिति के लिए मेडिकल टीम तैनात

मनपा के स्वास्थ्य विभाग को घाटों पर एंबुलेंस, मेडिकल टीम और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल मदद मिल सके। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि 15 और 16 नवंबर को सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह सक्रिय रहें। मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देश पर हुई बैठक में उपनगर अभियंता विकास ढोले, विनोद पवार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी गिरीश झलके, आपदा प्रबंधन।

अहमदाबाद–राजगीर के बीच अनारक्षित सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का संचालन

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे द्वारा छठपूजा त्योहार के दौरान यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए अहमदाबाद और राजगीर स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर अनारक्षित सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। ट्रेन संख्या 09427 अहमदाबाद–राजगीर स्पेशल 10 नवंबर 2026 को अहमदाबाद से 00.55 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 11.45 बजे राजगीर पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09428 राजगीर–अहमदाबाद स्पेशल 11 नवंबर 2026 को राजगीर से 14.45 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 23.25 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में आणंद, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, हिण्डौन सिटी, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पटना, पटना साहिब, बख्तियारपुर, बिहार शरीफ एवं नालंदा स्टेशनों पर ठहरेगी।

पुराने विवाद में युवक की हत्या, तीन आरोपित गिरफ्तार

पालघर। जिले की डहाणू तहसील के घोलवड थाना क्षेत्र में 24 वर्षीय युवक की हत्या के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस सिलसिले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में हत्या के पीछे पुराना विवाद सामने आया है। पुलिस के अनुसार, 1 नवंबर को जांबूगांव के मुहापाड़ा स्थित तीन रास्ते के पास नितीन चंदू पागी का शव मिला था। उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान थे। शुरुआत में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया गया था, लेकिन जांच के दौरान हत्या की पुष्टि होने पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया।

तकनीकी जांच के आधार पर गिरफ्तारी



पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख के मार्गदर्शन में स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक प्रदीप पाटील और घोलवड थाना प्रभारी सहायक पुलिस निरीक्षक संदीप कहाले की टीम ने तकनीकी विश्लेषण और गोपनीय जानकारी के आधार पर आंतेश बरठा (20), अमोल दांडेकर (20) और अनिरुद्ध दोडका (21) को गिरफ्तार किया। मामले की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक संदीप कहाले कर रहे हैं।

पुराने बिजली बिल बकायेदारों को राहत

महावितरण की अभय योजना 2026-27 शुरू

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

पुराने बिजली बिलों की बकाया राशि से परेशान उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए महावितरण ने अभय योजना 2026-27 शुरू की है। टोरेंट पावर ने अपने वितरण फ्रेंचाइजी क्षेत्र के उपभोक्ताओं से इस योजना का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की है। योजना के तहत पात्र उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल पर लगने वाले ब्याज में 100 प्रतिशत छूट के साथ मूल बकाया राशि में विशेष रियायत और किस्तों में भुगतान की सुविधा दी जाएगी।

एकमुश्त भुगतान पर 20 प्रतिशत तक छूट

यह योजना 6 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक लागू रहेगी। इसके तहत पात्र उपभोक्ताओं को ब्याज मुक्त किस्तों में बकाया चुकाने की सुविधा मिलेगी। वहीं, 15 दिसंबर 2026 से पहले एकमुश्त भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को उनकी श्रेणी और बकाया अवधि के आधार पर मूल राशि में 10 से 20 प्रतिशत तक अतिरिक्त छूट मिल सकती है।

नए बिजली कनेक्शन की प्रक्रिया भी होगी आसान



टोरेंट पावर के अनुसार, महावितरण की पुरानी बकाया राशि के कारण जिन उपभोक्ताओं के नए बिजली कनेक्शन, नाम परिवर्तन, बिजली श्रेणी में बदलाव या स्वीकृत भार में संशोधन की प्रक्रिया लंबित है, उनके लिए भी यह योजना उपयोगी होगी। पात्र उपभोक्ता निर्धारित शर्तों के अनुसार बकाया राशि का निपटान कर इन प्रक्रियाओं को आगे बढ़ा सकेंगे। टोरेंट पावर ने उपभोक्ताओं से अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना योजना का लाभ उठाने की अपील की है। पात्रता, भुगतान प्रक्रिया और अन्य शर्तों की जानकारी के लिए उपभोक्ता कंपनी के ग्राहक सेवा केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

नाशिक रोड स्टेशन पर 38 पैकेट पटाखे बरामद

डीबीडी संवाददाता । भुसावल

दीपावली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को लेकर मध्य रेल के भुसावल मंडल द्वारा चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत नाशिक रोड रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में अवैध रूप से पटाखे ले जा रहे एक यात्री के खिलाफ कार्रवाई की गई। रेलवे सुरक्षा बल ने उसके पास से 38 पैकेट पटाखे बरामद किए, जिनकी पैकेटों पर अंकित कुल कीमत 19,356 रुपये है।



रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज

आरपीएफ ने यात्री के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 164 के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की। उसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 35(3) के तहत नोटिस देकर छोड़ दिया गया।

प्लेटफॉर्म पर पकड़ा गया यात्री

रेलवे के अनुसार, 7 नवंबर 2026 को नाशिक रोड स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर यात्री सुरक्षा ड्यूटी के दौरान आरपीएफ कर्मचारी कांस्टेबल विकास साठे ने एक व्यक्ति को नीले रंग के बड़े प्लास्टिक बैग में पटाखे ले जाते देखा। पूछताछ में उसने अपना नाम गिरीश संजय कुमावत (32), निवासी गारखेडा, जिला छत्रपति संभाजीनगर बताया। उसे आगे की कार्रवाई के लिए आरपीएफ पोस्ट लाया गया, जहां उपनिरीक्षक ए.के. तिवारी ने दो स्वतंत्र पंचों की मौजूदगी में पूछताछ और पंचनामा किया। इस दौरान यात्री ने ट्रेन में पटाखे ले जाने की बात स्वीकार की। उसके पास पटाखे ले जाने की कोई वैध अनुमति नहीं थी।



राशिफल

प्रियंका जैन
9769994439

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

वृष बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

मिथुन मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

सिंह मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा।

कन्या संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी। कर्ज की चिंता कम होगी।

धनु चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें।

मकर राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

कुंभ व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

मीन व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें। अति व्यस्तता रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी ।

एमडीएल के दिवाली मेले में 13 स्वयं सहायता समूहों ने लगाए स्टॉल

हस्तकला, कपड़े, पेंटिंग और खाद्य पदार्थों की हुई बिक्री

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) की ओर से तीन महीने के निवारक सतर्कता अभियान के तहत 3 और 4 नवंबर 2026 को दिवाली मेले का आयोजन किया गया। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के निर्देशों के अनुसार, एमडीएल ने 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह भी मनाया। इस पहल का उद्देश्य सतर्कता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ सामुदायिक विकास को प्रोत्साहित करना है।

वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में उद्घाटन

मेले का उद्घाटन एमडीएल के निदेशक (संचालन) बीजू जॉर्ज ने किया। इस अवसर पर मुख्य सतर्कता अधिकारी हरि नारायण जांगिड़, निदेशक (सीपी एंड पी) कमांडर वासुदेव पुराणिक, निदेशक (वित्त) रुचिर अग्रवाल, निदेशक (तकनीकी) कमांडर शैलेश जामगांवकर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों ने अपने उत्पादों को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने और पारंपरिक कौशल को बढ़ावा देने का अवसर देने के लिए एमडीएल के प्रति आभार जताया।



13 स्वयं सहायता समूहों ने लिया हिस्सा

मेले में 13 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) ने भाग लिया। इन समूहों ने हस्तकला, गृह सजावट की वस्तुएं, कपड़े, पेंटिंग और खाद्य पदार्थों सहित विभिन्न उत्पादों के स्टॉल लगाए। एमडीएल के कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों ने मेले में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण कारीगरों के उत्पादों की खरीदारी की।

राम मंदिर मांगने वालों को मिलीं गोलियां: रवि किशन

कारसेवकों पर गोली चलाने को सही बताने पर बरसे सांसद

एजेंसी । गोरखपुर

गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन ने कारसेवकों पर गोली चलवाने के तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के फैसले को सही ठहराने वाले सपा सांसद सनातन पांडेय के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सपाइयों की यही विचारधारा रही है। कारसेवक तो 500 साल से भगवान राम का मंदिर मांग रहे थे, लेकिन बदले में उन्हें गोलियां मिलीं।



सनातन पांडेय ने गोलीकांड को बताया था सही

रवि किशन ने कहा कि कारसेवकों की मौत के बाद उनके माता-पिता और परिवारों पर क्या गुजरी होगी, इसकी कल्पना की जा सकती है। साधु-संत भी अपने आराध्य का मंदिर मांग रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा शासन में हत्या, अपराध, अपहरण और दुष्कर्म जैसी घटनाएं आम थीं। दरअसल, सपा सांसद सनातन पांडेय ने कारसेवकों पर गोली चलवाने के फैसले को संविधान की रक्षा के लिए उठाया गया कदम बताया था।

भाजपा अपने शासनकाल का दे हिसाब

उन्होंने कहा था कि मुलायम सिंह यादव ने संविधान बचाने के लिए गोली चलवाई थी और यदि ऐसा नहीं होता तो देश में गृहयुद्ध छिड़ सकता था। सनातन पांडेय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से अखिलेश यादव से कारसेवकों पर गोली चलवाने के लिए माफी मांगने की मांग पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि 1992 से मुलायम सिंह यादव को इसी मुद्दे पर घेरा जा रहा है, जबकि भाजपा को भी अपने शासन में युवाओं और महिलाओं के खिलाफ हुई कथित पुलिस कार्रवाई के लिए माफी मांगनी चाहिए।

भदोहीवासियों का स्नेह ही मेरी सबसे बड़ी ताकत : विनोद सोनकर

एजेंसी । भदोही

औराई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के भावी प्रत्याशी विनोद कुमार सोनकर ने भदोही गैस सर्विस सेंटर के कर्मचारियों के साथ दीपावली मनाई। कार्यक्रम में एजेंसी के कर्मचारियों और दूर-दराज से आए लोगों को मिठाई, प्रसाद, वस्त्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया। विनोद कुमार सोनकर ने कहा कि



कर्मचारियों और सहयोगियों के साथ दीपावली मनाने का सौभाग्य बड़े मुश्किल से मिलता है। भदोहीवासियों ने उन्हें जो विरासत दी है, वह उनका स्नेह और प्यार है। उन्होंने कहा कि भदोही गैस सर्विस का पूरा परिवार उनकी ताकत है और इसी के सहयोग से वह आज इस मुकाम पर हैं।

सरकार बनी तो राशन में देंगे सरसो का तेल: अखिलेश

बोले- महिलाओं का अपमान नहीं भूलेगी मातृशक्ति

एजेंसी । लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या में भाजपा के कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के साथ कथित मारपीट और अभद्रता को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने महिला आयोग से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित भाजपा नेताओं और आयोजकों के खिलाफ वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की मांग की। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा नारी सम्मान की बात करने के बजाय महिलाओं का अपमान कर रही है।

खत्म हो रहा भाजपाई जुमलों का असर

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की ओर से सार्वजनिक रूप से दुखी मां का अपमान किया गया, जिसे मातृशक्ति कभी नहीं भूलेगी। अखिलेश ने कहा कि मां का श्राप खाली नहीं जाएगा।



दुखी मां का श्राप खाली नहीं जाएगा

सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अखिलेश यादव ने कहा कि कुछ महीनों बाद प्रदेश में पीडीए सरकार बनने पर राशन में सरसों का तेल दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा से शोषित, वंचित और गरीब वर्ग के लोग इस बार पार्टी का स्थायी सफाया कर देंगे। अखिलेश यादव ने लखनऊ अग्निकांड में जान गंवाने वाले युवक की मां का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री पर निशाना साधा।

नया ठिकाना खोज रहे भाजपा नेता

सपा अध्यक्ष ने 2024 के लोकसभा और 2026 के विधान परिषद चुनाव का हवाला देते हुए दावा किया कि जनता के बीच भाजपा के जुमलों का असर खत्म हो रहा है। उन्होंने भाजपा को 'तेल की फिसलन वाली ढलान' पर बताते हुए कहा कि जनता उसे हमेशा के लिए हराने के मूड में है। कहा, सूबे के अपमानित और पीड़ित जनता भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार है।

तमंचा- कारतूस संग प्रयागराज का युवक धराया

एजेंसी । भदोही

दुर्गागंज थाना पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से नरेन्द्र बहादुर यादव उर्फ गोरेलाल उर्फ विपिन (26) निवासी खेमपट्टी चम्पापुर, प्रयागराज को गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके पास से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पूछताछ में असलहा अपनी सुरक्षा के लिए रखने की बात स्वीकार की, लेकिन उसके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला।

विधायक के रिश्तेदार अधिवक्ता का कत्ल

एजेंसी । कन्नौज

जिले में कोतवाली के पास कोयला वाली गली में छिबरामऊ विधायक अर्चना पांडेय के रिश्तेदार अधिवक्ता अनुज चतुर्वेदी (38) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि चुनावी रंजिश में अमोल दीक्षित ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से उन्हें तीन गोलियां मारीं। गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाए गए अनुज को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। यह हत्याकांड दीपावली की देर शाम का है। पश्चिमी बाईपास स्थित सुभाष नगर निवासी अनुज चतुर्वेदी रविवार को घर से बाजार जा रहे थे। इसी दौरान कोतवाली के पास उनकी मुलाकात अमोल दीक्षित से हो गई। दोनों के बीच कहासुनी के बाद विवाद बढ़ा तो अमोल ने कथित तौर पर उन पर गोलियां चला दीं। वारदात के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे अनुज के सहयोगी उन्हें तत्काल सौ शैय्या अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

2022 के चुनाव से चली आ रही थी रंजिश



सूचना पर सीओ मयंक मिश्रा और कोतवाल कपिल दुबे पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और जांच-पड़ताल की। अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि वारदात का एक चश्मदीद भी है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, अमोल दीक्षित ने 2022 के विधानसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। मतदान के दिन एक बूथ पर अमोल और अनुज के बीच मारपीट हुई थी। इसी घटना के बाद से दोनों के बीच दुश्मनी चल रही थी। अमोल पहले आम आदमी पार्टी में था और बाद में कांग्रेस में शामिल हुआ। वह अपने लेटरपैड पर खुद को कांग्रेस का जिला महासचिव बताता है।कांग्रेस के प्रदेश सचिव विजय मिश्रा ने अमोल को पार्टी का कार्यकर्ता बताया, हालांकि उसके पद की जानकारी होने से इनकार किया।

धमकाने वाले सपा कार्यकर्ताओं को बाहर करें : शिवपाल यादव

एजेंसी । इटावा

सैफई में दीपावली के अवसर पर सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं को 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए अनुशासन और संयम का पाठ पढ़ाया। उन्होंने चुनाव को समाजवादियों के लिए 'करो या मरो' की लड़ाई बताते हुए बूथ स्तर पर पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया। इस दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। शिवपाल यादव ने स्पष्ट कहा कि यदि कोई कार्यकर्ता चुनाव के बाद सरकार बनने पर किसी को देख लेने या धमकी देने जैसी भाषा का इस्तेमाल करता है तो उसे तत्काल पार्टी से बाहर कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी बयानबाजी से भाजपा को सपा पर हमला करने और दुष्प्रचार का मौका मिल सकता है।

सभी वर्गों से विनम्रता से मांगें सहयोग



सपा नेता ने कार्यकर्ताओं को नसीहत दी कि चुनाव के दौरान सभी वर्गों के लोगों से शालीनता और विनम्रता के साथ वोट मांगें। उन्होंने कहा कि पार्टी की छवि खराब करने वाला कोई भी आचरण स्वीकार नहीं किया जाएगा। शिवपाल की इस अपील का समारोह में मौजूद कार्यकर्ताओं ने तालियां बजाकर समर्थन किया।2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए सपा नेतृत्व कार्यकर्ताओं को अनुशासन में रहने और विपक्ष को राजनीतिक हमले का अवसर नहीं देने की सीख दे रहा है।

दीपावली के बाद खूनी हुआ यूपी का हाईवे , 21 की मौत

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में दीपावली के अगले दिन सोमवार को छह अलग-अलग सड़क हादसों में कम से कम 21 लोगों की जान चली गई, जबकि 56 लोग घायल हो गए। मुजफ्फरनगर, चित्रकूट, लखनऊ, कुशीनगर और शाहजहांपुर में हुए इन हादसों से अफरातफरी मच गई। सबसे दर्दनाक हादसा मुजफ्फरनगर में हुआ, जहां हरियाणा के हिसार से हरिद्वार जा रही कार डिवाइडर और बिजली के खंभे से टकराकर पलट गई। आग लगने से राहुल, अंकित, साहिल, अजय समेत छह युवकों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को पीड़ित परिवारों की मदद के निर्देश दिए। चित्रकूट के रामनगर में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई और 12 घायल हो गए। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर बस खाई में गिरने से तीन यात्रियों की जान चली गई, जबकि 41 लोग घायल हुए।

कार में जिंदा जले छह दोस्त

एजेंसी । मुजफ्फरनगर

जिले के तितावी थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के पानीपत-खटीमा हाईवे पर दर्दनाक हादसे में छह दोस्तों की जिंदा जलकर मौत हो गई। बघरा बाईपास पर करीब 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से जा रही हुंडई औरा कार अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर और बिजली के खंभे से टकराई। इसके बाद दूसरी तरफ पलटते ही कार में आग लग गई। एसएसपी सूरज कुमार राय के मुताबिक, सोमवार सुबह 4:50 बजे राहगीरों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी।

बिना बताए घर से निकले



हादसे का शिकार हुए सभी दोस्तों ने पहले अपने-अपने घरों में दिवाली मनाई थी। इसके बाद परिजनों को बिना जानकारी दिए कैब बुक कर हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए निकल पड़े। रास्ते में मुजफ्फरनगर के बघरा बाईपास पर उनकी कार हादसे का शिकार हो गई। मृतकों की उम्र 19 से 24 वर्ष के बीच बताई गई है।

रामलला के दर्शन करना अखिलेश का संवैधानिक अधिकार : राशिद अल्वी

एजेंसी । अयोध्या

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के प्रस्तावित राम मंदिर दर्शन को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने अखिलेश के दौरे का समर्थन करते हुए कहा कि रामलला के दर्शन करना उनका व्यक्तिगत और संवैधानिक अधिकार है। बाबरी मस्जिद विध्वंस के काफी समय बाद अखिलेश मुख्यमंत्री बने थे, इसलिए उन्हें उस घटना के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

सोनिया गांधी की आंखों में आंसू आने का किया जिक्र



राशिद अल्वी ने कहा कि बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराना गैरकानूनी कृत्य और एक समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाली घटना थी। उन्होंने कहा कि धर्म और आस्था प्रत्येक व्यक्ति का निजी विषय है। यदि अखिलेश यादव राम मंदिर में दर्शन करना चाहते हैं तो उन्हें इससे रोकने का कोई औचित्य नहीं है। कांग्रेस नेता ने बाबरी विध्वंस के दौरान सोनिया गांधी की प्रतिक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी आंखों में आए आंसू देश के करोड़ों लोगों की भावनाओं को व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने सोनिया गांधी को दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि उनमें राजनीतिक परिस्थितियों को समझने की विशेष क्षमता है।



सेंसेक्स चढ़ा, हरे निशान में बंद हुआ बाजार

सरकारी बैंकों और फार्मा शेयरों में जोरदार खरीदारी से मिला सहारा

एजेंसी । नई दिल्ली

अमेरिकी टेक कंपनियों में रिकवरी के संकेतों से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई, लेकिन शुरुआती कारोबार में मुनाफावसूली से दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान में पहुंच गए। हालांकि अंतिम सत्र में सरकारी बैंकों और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में खरीदारी लौटने से बाजार ने शानदार वापसी की। कारोबार समाप्त होने पर सेंसेक्स 107.25 अंक चढ़कर 81,106.65 और निफ्टी 58.25 अंक की बढ़त के साथ 25,044.65 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स शुरुआती 327.89 अंकों की बढ़त के साथ 81,327.29 पर खुला, लेकिन बिकवाली के दबाव में 80,519.31 तक फिसल गया। बाद में निचले स्तरों पर लिवाली से इसमें 587 अंकों से अधिक की रिकवरी आई। निफ्टी भी 25,076.40 पर खुलने के बाद 24,838.75 तक लुढ़का, लेकिन अंत में 25 हजार के स्तर के ऊपर बंद होने में सफल रहा। सेक्टोरल कारोबार में सरकारी बैंकों के शेयरों ने सबसे ज्यादा चमक दिखाई और निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 3.73 प्रतिशत उछल गया।



फार्मा इंडेक्स में 1.65% की तेजी

सेक्टोरल कारोबार में सरकारी बैंकों के शेयरों ने सबसे ज्यादा चमक दिखाई और निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 3.73 प्रतिशत उछल गया। निफ्टी बैंक में 1.51 प्रतिशत और फार्मा इंडेक्स में 1.65 प्रतिशत की तेजी रही। इसके विपरीत आईटी इंडेक्स 1.22 प्रतिशत और एफएमसीजी इंडेक्स 0.15 प्रतिशत टूटकर बंद हुए।

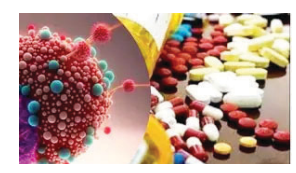
कैंसर की 1,364 दवाएं सस्ती

एजेंसी । नई दिल्ली

देशभर में कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 1,364 दवाओं के संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) सोमवार, 9 नवंबर से प्रभावी हो गए। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के इस फैसले से मरीजों और उनके परिवारों को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग के अनुसार, एनपीपीए ने 137 कैंसर रोधी दवाओं के व्यापार मार्जिन को अधिकतम खुदरा मूल्य के 30 प्रतिशत तक सीमित किया है।

संशोधित एमआरपी पर मिलेंगी दवाएं

इसके बाद 85 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन के संशोधित मूल्य घोषित किए हैं। यह जानकारी आठ नवंबर तक उपलब्ध कराई गई थी। मंत्रालय के मुताबिक, कुल 679 ब्रांड की दवाओं के दाम में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी की गई है। इनमें सर्वाधिक 96.45 प्रतिशत तक की कटौती दर्ज की गई है। अब कोई भी दवा विक्रेता या अस्पताल की फार्मेसी संशोधित एमआरपी से अधिक कीमत नहीं वसूल सकेगी। उपभोक्ता दवाओं के पैकेट पर दर्ज नई कीमत के अलावा 'फार्मा सही दाम' ऐप और एनपीपीए की वेबसाइट पर भी मूल्य की जानकारी ले सकते हैं।



'फार्मा सही दाम' पर लें जानकारी

निर्धारित कीमत से अधिक वसूली होने पर 'फार्मा जन समाधान' पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। इसके लिए एनपीपीए की हेल्पलाइन 1800-111-255 भी उपलब्ध है। भारत में हर 1 लाख की आबादी पर लगभग 100 से 100.4 लोगों में कैंसर की पहचान हुई है। ऐसे में इस फैसले का असर भारत की बड़ी जनसंख्या पर सकारात्मक रूप से पड़ने वाला है।

बाजार से उठाने पड़ सकते हैं अमेरिकी डॉलर

एजेंसी । मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की विदेशी मुद्रा बाजार में 239 अरब डॉलर की शुद्ध शॉर्ट पोजिशन रुपये की मजबूती की राह में बाधा बन सकती है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) बढ़ने के बावजूद केंद्रीय बैंक को पुराने सौदों की देनदारियां पूरी करने के लिए बाजार से डॉलर खरीदने पड़ सकते हैं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की रिपोर्ट में यह आशंका जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2026 के अंत तक आरबीआई की फॉरवर्ड बुक में 239 अरब डॉलर की शुद्ध शॉर्ट पोजिशन दर्ज थी। इसका अर्थ है कि पूर्व में किए गए विदेशी मुद्रा अदला-बदली सौदों के परिपक्व होने पर केंद्रीय बैंक को डॉलर चुकाने होंगे। इसके लिए बाजार से डॉलर की खरीद रुपये पर दबाव बढ़ा सकती है। कुल शॉर्ट पोजिशन में से 40 अरब डॉलर के सौदे अगले एक साल में, 56 अरब डॉलर के सौदे एक से तीन साल और 143 अरब डॉलर के सौदे तीन से पांच साल के बीच परिपक्व होंगे। लंबी अवधि के अधिकांश सौदे विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर-बी) जमा योजना से जुड़े हैं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने रुपये में आगे और गिरावट का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर 2026 तक रुपया 92-94 प्रति डॉलर के दायरे में रह सकता है। मार्च 2027 तक इसके 94-95 और जून 2027 तक 96 प्रति डॉलर तक पहुंचने की आशंका है।

ब्रेंट 97 डॉलर प्रति बैरल के नीचे फिसला

एजेंसी । नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का सिलसिला सोमवार को भी जारी रहा। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 1.16 प्रतिशत टूटकर 96.52 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई भी गिरावट के साथ 90.18 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, पिछले सप्ताह अप्रैल 2020 के बाद कच्चे तेल में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई थी। इस दौरान ब्रेंट क्रूड के भाव 16 प्रतिशत से



अधिक टूटे। अक्टूबर के अंत में छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद से कीमतों पर लगातार दबाव बना हुआ है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट की प्रमुख वजह अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के नतीजों को माना जा रहा है। डेमोक्रेटिक पार्टी की बड़ी जीत के बाद कारोबारियों को अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने की आशंका कम हुई है।

थाइलैंड-मलेशिया के रबर दस्तानों पर लगेगा डंपिंग-रोधी शुल्क

एजेंसी । नई दिल्ली

वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने थाइलैंड और मलेशिया से आयात होने वाले चिकित्सा उपयोग के रबर दस्तानों पर पांच साल तक डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। प्रस्तावित शुल्क प्रति एक लाख दस्तानों पर 442 से 565 अमेरिकी डॉलर तक होगा। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने दोनों देशों के विनिर्माताओं पर भारतीय बाजार में लागत से कम कीमत पर दस्ताने बेचने का आरोप जांच में सही पाया है।

ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता पर तेल कंपनियों का दावा सही

एजेंसी । नई दिल्ली

कर्नाटक में पेट्रोल में निर्धारित सीमा से अधिक इथेनॉल मिलाने के आरोपों के बीच सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता को सही बताया। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने ग्राहकों की मौजूदगी में हुई जांच का हवाला देते हुए बताया कि नमूने में 19.9 प्रतिशत इथेनॉल पाया गया। कंपनी ने इसे ईंधन की गुणवत्ता और पारदर्शिता का प्रमाण बताया। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने भी कर्नाटक में जांचे गए 56 नमूनों के नतीजे साझा किए। कंपनी के मुताबिक, सभी नमूनों में इथेनॉल की औसत मात्रा 19.3 प्रतिशत रही। एचपीसीएल ने कहा कि ईंधन की गुणवत्ता को लेकर किसी भी दावे का आकलन प्रमाणित वैज्ञानिक जांच और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होना चाहिए। केंद्रीय मंत्रालय ने भी कर्नाटक में 26 से 31 प्रतिशत इथेनॉल मिलावट के आरोपों को खारिज किया था। मंत्रालय के अनुसार, इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल की ओर से आपूर्ति किया जा रहा ई20 पेट्रोल भारतीय मानक आईएस 17021 के अनुरूप है।

893 नमूनों में तय मानकों के अनुरूप मिला इथेनॉल



देशव्यापी निगरानी में 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से लिए गए सभी 893 नमूनों में इथेनॉल की मात्रा निर्धारित 19 से 21 प्रतिशत के दायरे में मिली। मंत्रालय ने कहा कि पेट्रोल के नमूने लेने, सुरक्षित रखने और उनकी जांच के लिए निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया का पालन जरूरी है। कर्नाटक में अक्टूबर के दौरान की गई जांच पर सवाल उठाते हुए उसने कहा कि संबंधित नमूनों की पूरी जानकारी और प्रयोगशाला रिपोर्ट तेल कंपनियों को उपलब्ध नहीं कराई गई थी। ऐसे में अधिक मिलावट के दावों की पुष्टि निर्धारित तकनीकी प्रक्रिया से नहीं हुई। थेनॉल मिला पेट्रोल वाहनों को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि 20 प्रतिशत से ज्यादा इथेनॉल वाले ईंधन से उन वाहनों के कुछ हिस्सों को नुकसान हो सकता है, जिन्हें इतनी अधिक मात्रा के लिए तैयार नहीं किया गया है। कर्नाटक सरकार ने सात जिलों से नमूने लेकर मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में उनकी जांच कराई है।

भारत की निगाह सीरीज जीत पर

- न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा मुकाबला आज, रोहित खेलना चाहेंगे बड़ी पारी
- बारिश के साए के बीच तेज गेंदबाजों पर रहेगा दारोमदार

एजेंसी I हैमिल्टन

लगातार तीसरे मुकाबले में बारिश खलल डाल सकती है। ऐसे में सेडन पार्क में मंगलवार को होने वाले तीसरे वनडे मुकाबले में टॉस अहम भूमिका निभाएगा। ऑकलैंड और वेलिंगटन मुकाबले भी बारिश से बाधित रहे हैं। दोनों में भारत ने डवकर्थ लुईस पद्धति से जीत हासिल की है। भारतीय तीसरे मुकाबले में भी न्यूजीलैंड को पटखनी देकर सीरीज में अजेय बढ़त बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी।



भारतीय बल्लेबाजों के सामने चुनौती

तेज गेंदबाजों की अनुकूल परिस्थितियां भारतीय शीर्ष क्रम के लिए चुनौती पेश कर सकती हैं। ठंडी और गीली परिस्थितियों के कारण फिर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त स्विंग और उछाल मिल सकता है जिससे बल्लेबाजों की मुश्किलें बढ़ेंगी। मैच में निगाह खराब फॉर्म में चल रहे भारतीय ओपनर रोहित शर्मा के साथ कप्तान शुभमन गिल पर भी रहेगी। ईडन पार्क में कोहली की शानदार पारी को छोड़ दें तो गिल और अनुभवी रोहित समेत अन्य बल्लेबाज तेज गेंदबाजों की अनुकूल परिस्थितियों में सहज नजर नहीं आए हैं। गिल इस मैच के बाद टेस्ट की तैयारियों के लिए अंतिम दो मैचों में नहीं खेलेंगे। वह बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। उनकी प्राथमिकता इस मैच में ही सीरीज जीतना होगी। इससे गिल का टेस्ट सीरीज से पहले आत्मविश्वास बढ़ेगा। अंतिम दो मैचों में श्रेयस अय्यर टीम की कमान संभालेंगे।

रोहित से बड़ी पारी की उम्मीद

वहीं अब तक रन बनाने के लिए जूझ रहे रोहित भी अपनी फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब धमाकेदार पारी से देना चाहेंगे। 39 वर्षीय पूर्व कप्तान रोहित पहले मैच में खाता नहीं खोल पाए थे तो दूसरे में 23 रन बनाए थे। उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पिछले एक साल में रोहित ने अपने बल्लेबाजी के अंदाज में बदलाव किया है। अब वह आक्रामक रुख अपनाने से पहले पारी की नींव मजबूत करने को प्राथमिकता देते हैं। वर्ष 2023 के वनडे विश्व कप तक उनके जोखिम से लेकर आक्रामक बल्लेबाजी करने के अंदाज की तुलना में यह स्पष्ट बदलाव है लेकिन इस रणनीति के परिणाम मिलेजुले रहे हैं। न्यूजीलैंड में अब तक की परिस्थितियों में संभलकर बल्लेबाजी करना जरूरी रहा है लेकिन रोहित दोनों मैच में सहज नहीं दिखे। वहीं न्यूजीलैंड का अपनी घरेलू परिस्थितियों में प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। हालांकि यह भी सच है कि कप्तान मिचेल सेंटनर दोनों मुकाबलों में टॉस हार गए जिससे उन्हें परिस्थितियों का फायदा उठाने का पूरा मौका नहीं मिला। लेकिन उसके शीर्ष क्रम का संघर्ष चिंता का विषय रहा है जिससे गेंदबाजी इकाई पर काफी दबाव पड़ा है।

आमने-सामने

कुल मैच	: 125
भारत जीता	: 65
न्यूजीलैंड जीता	: 52
बेनतीजा	: 7
टाई	: 1

पांचवें नंबर पर आ सकते हैं राहुल

भारत के विजयी संयोजन में बदलाव करने की संभावना कम है। हालांकि मुख्य कोच गौतम गंभीर पांचवें नंबर पर लोकेश राहुल से पहले अक्षर पटेल को भेजने की रणनीति पर दोबारा विचार कर सकते हैं। राहुल ने वेलिंगटन में नाबाद 26 रन की संक्षिप्त लेकिन प्रभावशाली पारी खेलकर टीम को मुश्किल से निकाला था।राहुल से पहले अक्षर को भेजने का फैसला मध्यक्रम में बाएं हाथ के बल्लेबाज की मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए किया गया था क्योंकि शीर्ष चारों बल्लेबाज दाएं हाथ के हैं। हालांकि अतिरिक्त स्विंग और असमान उछाल वाली परिस्थितियां अक्षर की बल्लेबाजी के अनुकूल नहीं हैं। अक्षर टीम में एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर हैं। शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज नियमित रूप से गेंदबाजी नहीं करते। तेज गेंदबाजी में आकिब नबी ने विकेट चटकाए हैं। गुरनूर बराड़, अंशुल कंबोज और अर्शदीप सिंह ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। अर्शदीप शानदार फॉर्म में हैं। हालांकि गेंदबाजों की सफलता में अनुकूल परिस्थितियों की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

टिकनर की जगह क्लार्क

न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाज टिम सीफर्ट, विल यंग और हेनरी निकोल्स दबदबा बनाने में नाकाम रहे हैं। मौजूदा परिस्थितियों में न्यूजीलैंड को कनकशन के कारण तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर की कमी खलेगी। उनकी जगह भारत ए के खिलाफ हाल में अनौपचारिक टेस्ट खेलने वाले क्रिस्टियन क्लार्क को टीम में शामिल किया गया है। लैथम और निकोल्स के लिए टेस्ट टीम से जुड़ने से पहले रन बनाने का आखिरी मौका होगा। न्यूजीलैंड की टीम पर सात साल में घर में पहली सीरीज गंवाने का खतरा है। यह भी संयोग है कि पिछली सीरीज भी उसने 2019 में भारत के हाथों की गंवाई थी। उसके बाद उसने घर में 11 सीरीज खेली और सभी में जीत दर्ज की है। बल्लेबाजी इकाई दिशाहीन नजर आई है। आमतौर पर भरोसेमंद प्रदर्शन करने वाले टॉम लैथम भी रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं।

लिनेट ने गत चैंपियन टीजेन को हराकर खिताब जीता



एजेंसी I चेन्नई

पोलैंड की मार्ग्दा लिनेट ने डब्ल्यूटीए 250 चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। सोमवार को खेले गए फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त लिनेट ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए गत चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया की जेनिस टीजेन को 5-7, 6-1, 6-4 से हराया। रविवार शाम को होने वाला फाइनल लगातार बारिश के कारण सोमवार तक स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद प्रदूषण और धुंध के कारण कम दृश्यता ने भी खिलाड़ियों की मुश्किलें बढ़ाईं।

लिनेट ने खत्म किया खिताबी सूखा

लिनेट ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में दमदार प्रदर्शन किया और निर्णायक सेट में भी अपना संयम बनाए रखा। इस जीत के साथ उन्होंने करियर का चौथा एकल खिताब हासिल किया और दो साल से अधिक समय से चले आ रहे खिताबी सूखे को खत्म किया। उन्होंने इससे पहले जुलाई 2024 में प्राग ओपन का खिताब जीता था। पोलैंड की लिनेट 2022 में भी चेन्नई ओपन के फाइनल में पहुंची थीं।

न्यूज़ ब्रीफ

इर्विन दोहरा शतक जड़ने वाले तीसरे उम्रदराज खिलाड़ी

शारजाह। जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच सोमवार को पहला टेस्ट बराबरी पर छूटा। इस ड्रॉ मुकाबले में जिम्बाब्वे के क्रेग इर्विन ने करियर का पहला दोहरा शतक जड़कर अपना नाम इतिहास में भी दर्ज करवा लिया। उन्होंने 206 रन की नाबाद पारी खेली। इर्विन (41 साल 82 दिन) टेस्ट में दोहरा शतक जड़ने वाले तीसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। दक्षिण अफ्रीका के एरिक रॉवैन (42 साल छह दिन, 1951) और इंग्लैंड के जैक हॉब्स (41 साल 195 दिन, 1924) ही उनसे आगे हैं। वहीं 40 प्लस की उम्र में दोहरी शतकीय पारी खेलने वाले इर्विन कुल छठे खिलाड़ी हैं। इर्विन के अलावा वेस्ली मधेवेरे (100 नाबाद) ने करियर का पहला शतक जड़ा। इससे जिम्बाब्वे ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर 523 रन बनाए। उसकी पहली पारी के 504 रन के जवाब में अफगानिस्तान ने 514 रन बनाए थे। दोनों टीमों ने मिलकर कुल 1500 से अधिक रन बनाए। मैच में छह शतक और एक दोहरा शतक लगा।

अनुज भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बने

एजेंसी I सिनाकाबान

शतरंज के लिए जर्मनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी छोड़ने वाले मध्य प्रदेश के कटनी के अनुज श्रीवास्त्री भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर (जीएम) बन गए। उन्होंने रविवार को सातवीं आसियान प्लस व्यक्तिगत ओपन शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीतकर यह उपलब्धि हासिल की। 22 वर्षीय अनुज ने मिसामिस ऑक्सिडेंटल स्थित असेंसो ग्लोबल यूथ लीडरशिप एंड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित चैंपियनशिप में पहली बाजी गंवाने के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने इसके बाद दमदार प्रदर्शन करते हुए संभावित आठ में से सात अंक हासिल किए और चैंपियन बने।



अनुज का शतरंज सफर

अनुज ने सात साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू किया था। उनके पिता अशोक श्रीवत्री भी शतरंज के शौकीन थे। उन्होंने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में बीटेक किया है। इसके बाद वह जर्मन कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम करने लगे। शतरंज में करियर बनाने के लिए उन्होंने जर्मनी में कंपनी के हेड ऑफिस में काम करने का ऑफर ठुकरा दिया।

भारत के पहले ग्रैंडमास्टर

दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद भारत के पहले ग्रैंडमास्टर बने थे। उन्होंने 1987 में अपना तीसरा ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया था और 1988 में यह खिताब अपने नाम किया था।

पांच माह में बने पांच भारतीय ग्रैंडमास्टर

पिछले पांच माह (जुलाई से नवंबर) में पांच भारतीय ग्रैंडमास्टर बने। इनमें अनुज से पहले एथन वाज, हर्षवर्धन जीबी, एस अश्वथ और वी रत्नवेल ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

दर्द को मात देकर अंबुरे ने जीता कांस्य पदक

एजेंसी I डकार

नौ महीने तक चोट का दर्द झेला। सर्जरी के बाद ट्रैक पर उतरीं पर चयन ट्रायल में अंतिम बाधा में गिरने से टीम में जगह बनाने से चूक गईं। पर हौसला नहीं छोड़ा। किस्मत ने उनका साथ दिया और दोबारा चयन ट्रायल में शौर्या अंबुरे ने 100 मीटर बाधा दौड़ में युवा ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया। सोमवार



को शौर्या ने कांस्य पदक जीतकर इतिहास कर दिया। 0.02 सेकंड से रजत चूकीं : महाराष्ट्र की 17 वर्षीय शौर्या ने 13.59 सेकंड का समय निकालकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का तीसरा स्थान हासिल किया। इन खेलों में एथलेटिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र खिलाड़ी मात्र 0.02 सेकंड से रजत से चूक गईं। चीन की झांग केयी (13.17 सेकंड) ने स्वर्ण और फ्रांस की अन्ना पीटर्स (13.57 सेकंड) ने रजत जीता। शौर्या ने एक ही दिन में दो बार अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुधारा। उन्होंने सेमीफाइनल में 13.77 सेकंड का समय निकालकर पिछला रिकॉर्ड बेहतर किया था।

संजय की कप्तानी में न्यूजीलैंड जाएगी युवा हॉकी टीम

एजेंसी I नई दिल्ली

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता संजय 15 से 23 नवंबर तक न्यूजीलैंड दौरे पर तीन मैचों की सीरीज में भारतीय युवा पुरुष हॉकी टीम की कप्तानी करेंगे। यह दौरा भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। भारतीय टीम 19, 21 और 22 नवंबर को ऑकलैंड में मेजबान टीम से भिड़ेगी। हॉकी इंडिया ने सोमवार को दौरे के लिए 20 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टीम में गोलकीपर मोहित एचएस और पवन, जबकि डिफेंडर के रूप में संजय, नीलम संजीप खेस, शारदा नंद तिवारी, तालेम प्रियबर्ता, अनमोल एक्का और यशदीप सिवाच शामिल हैं।

बॉलीवुड



दिवाली पर तमिल सितारे को याद कर भावुक हुए धनुष

दिवाली के मौके पर दक्षिण भारतीय सिनेमा के मशहूर अभिनेता धनुष एक सितारे को याद करके भावुक हो गए। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक मशहूर तमिल हस्ती को याद किया, जिनका त्योहारों के मौके पर टीवी पर आना कई तमिल घरों में एक परंपरा हुआ करती थी। धनुष ने जाने-माने तमिल विद्वान और लोकप्रिय डिबेट शो के होस्ट सोलोमन पप्पैया के लिए पोस्ट साझा किया, जिनका 11 सितंबर को 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। धनुष ने अपना दुख जाहिर करते हुए एक्स पर लिखा, 'एक ऐसे प्रोफेसर, जिनका तमिल भाषा भी सम्मान करती है। मुझे अपने बचपन से ही सोलोमन पप्पैया सर के बिना कोई भी दिवाली या पोंगल याद नहीं है। हालांकि, उनकी जगह लेने के लिए राजा एक उपयुक्त विकल्प हैं। पप्पैया सर, आपकी आवाज और आपकी यादें हमेशा हमारे दिलों में बसी रहेंगी।' बता दें, तमिल घरों में लोग दिवाली जैसे पर्वों पर पप्पैया के डिबेट शो जरूर देखा करते थे।



बेटों के साथ त्योहार नहीं मना पाईं सेलिना जेटली, दिवाली पर छलका मां का दर्द

दिवाली का त्योहार जहां हर तरफ खुशियां और रोशनी लेकर आया, वहीं अभिनेत्री सेलिना जेटली के लिए यह मौका भावनात्मक रूप से काफी मुश्किल रहा। अभिनेत्री ने इस बार भी अपने तीनों बेटों विंस्टन, विराज और आर्थर के बिना दिवाली मनाई। बच्चों की याद में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर की और उनके साथ बिताए पुराने पलों को याद किया। सेलिना के तीनों बेटे फिलहाल ऑस्ट्रिया में अपने पिता पीटर हाग के साथ रह रहे हैं। अभिनेत्री और पीटर के बीच तलाक तथा बच्चों की कस्टडी को लेकर कानूनी विवाद चल रहा है। सेलिना ने इंस्टाग्राम पर बेटों के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि उन्हें तीनों की बहुत याद आ रही है। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी की सबसे खूबसूरत दिवाली बच्चों के साथ ही रही है। अभिनेत्री के मुताबिक, जब उन्होंने पहली बार अल्ट्रासाउंड में अपने बच्चों को देखा था, तभी से वे उनकी जिंदगी की रोशनी बन गए थे। सेलिना ने यह भी लिखा कि बच्चों के बिना यह उनकी दूसरी दिवाली है और इस दूरी को स्वीकार करना उनके लिए बेहद मुश्किल है। अभिनेत्री ने पोस्ट में उन छोटे-छोटे पलों को भी याद किया, जब



वह अपने बच्चों के लिए समोसे, पानी-पुरी, केक, सिनेमन रोल और लादी पाव बनाया करती थीं। उन्होंने बच्चों की भावनात्मक स्थिति को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि उन्हें डर है कि मौजूदा परिस्थितियों के बीच कहीं उनके बेटे मां के प्यार और साथ को न भूल जाएं। सेलिना की इस पोस्ट पर सोशल मीडिया पर कई लोगों ने उनके प्रति सहानुभूति जताई।

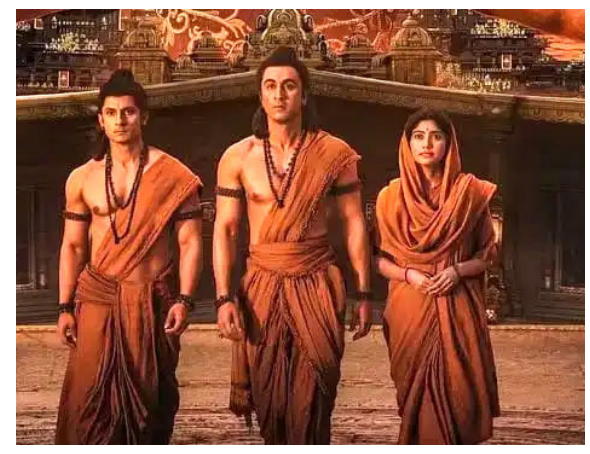
मोहित चौहान की गायकी पर भावुक हुए सलमान, पिता की यादों में खोए अभिनेता

रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के आगामी 'वीकेंड का वार' एपिसोड में दर्शकों को एक भावुक पल देखने को मिलेगा। शो के नए प्रोमो में सुपरस्टार सलमान खान अपने पिता और दिग्गज पटकथा लेखक सलीम खान की प्रशंसा से भावुक होते नजर आ रहे हैं। दरअसल, इस एपिसोड में मशहूर गायक मोहित चौहान मेहमान बनकर पहुंचेंगे। उन्होंने सलीम खान के प्रति सम्मान जाहिर करते हुए उनकी पुरानी फिल्म का एक गाना प्रस्तुत किया, जिसे सुनकर सलमान की आंखें नम हो गईं। प्रोमो में मोहित चौहान सलमान से कहते हैं कि वह उनके बहुत बड़े प्रशंसक हैं, लेकिन उनके पिता सलीम खान के और भी बड़े प्रशंसक हैं। इसके बाद वह वर्ष 1963 में आई फिल्म 'बचपन' का गीत 'मुझे तुमसे मोहब्बत है मगर मैं कह नहीं सकता' गाते हैं। इस फिल्म में सलीम खान ने अभिनेता के तौर पर काम किया था। उस समय उन्होंने पटकथा लेखक के रूप में अपनी पहचान नहीं बनाई थी। मोहित की इस प्रस्तुति ने सलमान को भावुक कर दिया। वह कुछ देर तक चुप रहे और अपनी आंखों में आए



आंसुओं को छिपाने के लिए दूसरी ओर मुड़ गए। सलमान खान और सलीम खान के बीच गहरा भावनात्मक रिश्ता रहा है। अभिनेता कई मौकों पर अपने पिता के प्रति प्यार और सम्मान जाहिर कर चुके हैं। हाल ही में 'बिग बॉस 20' के दौरान भी उन्होंने अपने पिता के साथ रिश्ते पर बात की थी। सलमान ने बताया था कि हाल में हुई बातचीत के दौरान उन्होंने बेटे के रूप में अपनी गलतियों के लिए पिता से माफी भी मांगी थी। ऐसे में मोहित चौहान की यह खास प्रस्तुति सलमान के लिए बेहद भावुक पल बन गई।

दुनियाभर में 'रामायण' का दबदबा, चार दिन में 500 करोड़ के करीब पहुंची कमाई



रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म 'रामायणः भाग 1' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के चार दिनों के भीतर फिल्म ने दुनियाभर में 500 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा छूने के करीब पहुंच गई है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म को भारत के साथ विदेशी बाजारों में भी दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। खास बात यह है कि फिल्म में यश की मौजूदगी का असर कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भी देखने को मिल रहा है।

सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने रविवार को चौथे दिन भारत में 56.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसमें हिंदी से 36.75 करोड़, कन्नड़ से 7.25 करोड़, तेलुगु से 6.25 करोड़, तमिल से 3.15 करोड़ और मलयालम से 2.75 करोड़ रुपये की कमाई शामिल है। इससे पहले फिल्म ने पहले दिन 64.85 करोड़, दूसरे दिन 48.05 करोड़ और तीसरे दिन 69.80 करोड़ रुपये कमाए थे। इस तरह चार दिनों में फिल्म का भारतीय नेट कलेक्शन 238.85 करोड़ और ग्रॉस कलेक्शन 285.20 करोड़ रुपये हो गया है। विदेशी बाजारों में भी फिल्म की कमाई का सिलसिला जारी है। चौथे दिन विदेशों से करीब 45 करोड़ रुपये की कमाई के साथ इसका कुल विदेशी ग्रॉस कलेक्शन 214 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसके साथ ही फिल्म की दुनियाभर की कुल कमाई 499.20 करोड़ रुपये हो गई है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण की भूमिका में हैं। इनके अलावा रवि दुबे, अरुण गोविल, लारा दत्ता और रकुल प्रीत सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

लोकसेवक 48+ घंटे न्यायिक हिरासत में तो अपने आप सस्पेंड

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार अस्पताल प्रशासक की जमानत बहाल की, पटना हाईकोर्ट का फैसला पलटा

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि गिरफ्तारी के बाद यदि कोई सरकारी कर्मचारी 48 घंटे से अधिक समय तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसे स्वतः निलंबित माना जाएगा। इसके लिए अलग से निलंबन आदेश जारी करना जरूरी नहीं है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने 6 नवंबर को बिहार के एक रिश्वत मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। मामला समस्तीपुर सदर अस्पताल के तत्कालीन प्रशासक विश्वजीत सिंह से जुड़ा है। उन पर एक संविदाकर्मी का 36,421 रुपये का बकाया वेतन जारी करने के बदले 4,000 रुपये रिश्वत मांगने का आरोप है।



करीब एक साल बाद जमानत रद्द करने पर सवाल

सिंह ने पटना हाईकोर्ट के 1 जुलाई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए सेशन कोर्ट से मिली नियमित जमानत रद्द कर उन्हें हिरासत में लेने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट आरोपी की रिहाई के करीब एक साल बाद जमानत के मामले में हस्तक्षेप कर रहा था। पीठ के मुताबिक, हाईकोर्ट मामले पर टिप्पणी कर सकता था, लेकिन जमानत रद्द करना उचित नहीं था। शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट का आदेश निरस्त करते हुए सिंह की जमानत बहाल कर दी।

उसी अस्पताल में दोबारा तैनाती पर जताई हैरानी

सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद सिंह करीब 15 दिन न्यायिक हिरासत में रहे थे। सरकारी कर्मचारी होने के नाते 48 घंटे से अधिक हिरासत में रहने पर उन्हें स्वत: निलंबित माना जाना चाहिए था। अदालत ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि उन्हें दोबारा उसी अस्पताल में उसी पद पर तैनात कर दिया गया। पीठ ने राज्य सरकार से इस पहलू पर जल्द ध्यान देने और कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने की अपेक्षा जताई।

4,000 रुपये रिश्वत मांगने का आरोप

विश्वजीत सिंह पर आरोप था कि उन्होंने एक संविदा कर्मचारी का 36,421 रुपये का बकाया वेतन जारी करने के बदले 4,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। न्यायमूर्ति पारदीवाला ने 6 नवंबर के आदेश में कहा कि 48 घंटे से अधिक न्यायिक हिरासत में रहने वाला सरकारी कर्मचारी स्वत: निलंबन के दायरे में आ जाता है। पीठ ने इस तथ्य पर भी ध्यान दिया कि सिंह को निलंबित किया गया था, लेकिन बाद में निलंबन का आदेश वापस ले लिया गया था।

2025 में दर्ज हुई थी एफआईआर

मामले के रिकॉर्ड के अनुसार, वर्ष 2025 में विजिलेंस थाने में सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7(बी) के तहत एफआईआ हुई ।

रूस की दूसरी सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी पर यूक्रेन का हमला

यूक्रेन का रूस की दूसरी सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला, कई विस्फोटों के बाद लगी आग

एजेंसी । मॉस्को

यूक्रेन ने रातभर किए गए ड्रोन हमले में रूस की दूसरी सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया। लेनिनग्राद क्षेत्र के किरिशी शहर स्थित किनेफ रिफाइनरी में कई बड़े विस्फोट हुए और आग लग गई। वहीं, लेनिनग्राद क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोजदेंको ने दावा किया कि रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने क्षेत्र में यूक्रेन के 81 ड्रोन मार गिराए हैं।



किनेफ रिफाइनरी में भारी नुकसान

हमले का निशाना किरिशी पेट्रोलियम ऑर्गेनिक सिंथेसिस संयंत्र था, जिसे किनेफ रिफाइनरी के नाम से जाना जाता है। यह यूक्रेन से करीब 800 किलोमीटर दूर स्थित है। हमले के बाद संयंत्र में कई विस्फोट हुए। नासा के फायर इंफॉर्मेशन फॉर रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम (फिर्म्स) ने भी उपग्रह आंकड़ों के आधार पर वहां आग और गर्मी के कई केंद्र दर्ज किए। रिफाइनरी की सालाना तेल शोधन क्षमता करीब दो करोड़ मीट्रिक टन है और रूस के कुल परिष्कृत तेल उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी छह प्रतिशत से अधिक है। यहां रूसी सेना के इस्तेमाल के लिए ईंधन भी तैयार किया जाता है।

पहले भी हो चुका है हमला

किनेफ रिफाइनरी पर अमेरिका समेत पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगा रखे हैं। यूक्रेन इससे पहले भी इस संयंत्र को निशाना बना चुका है। पांच मई को हुए ड्रोन हमले में इसकी चार में से तीन कच्चे तेल आसवन इकाइयों को नुकसान पहुंचा था, जिसके बाद तेल शोधन का काम अस्थायी रूप से रोकना पड़ा था। यह हमला रूस के ऊर्जा ढांचे पर यूक्रेन के लगातार हमलों के बीच हुआ है। 'द कीव इंडिपेंडेंट' के मुताबिक, यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा है कि रूस की तेल रिफाइनरियों पर हमले अस्थायी रूप से रोकने के किसी समझौते पर कीव ने औपचारिक सहमति नहीं दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए युद्धविराम कराने की कोशिश की थी।

न्यूज़ ब्रीफ

समुद्री सुरक्षा को मिलेगी मजबूती

कोलकाता। भारत के पूर्वी समुद्री तट की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में भारतीय तटरक्षक बल (इंडियन कोस्ट गार्ड) ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। दो नए अत्याधुनिक एयर कुशन वाहन (एसीवी) एच-561 और एच-562 सात नवंबर को पश्चिम बंगाल के हल्दिया स्थित अपने निर्धारित बेस पहुंच गए। इनके जल्द ही औपचारिक रूप से सेवा में शामिल होने की संभावना है। इन दोनों वाहनों का निर्माण गोवा की कंपनी चौगुले एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड ने केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत किया है। आधुनिक तकनीक और बेहतर परिचालन क्षमताओं से लैस ये वाहन समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में तटरक्षक बल की ताकत बढ़ाएंगे।

पैदल यात्रियों के लिए हाईवे पर बनेंगे सुरक्षित फुट ओवरब्रिज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्गों पर तेज रफ्तार वाहनों के बीच सड़क पार करने वाले पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार ने नई नीति बनाई है। इसके तहत जर्जर फुट ओवरब्रिज को जल्द हटाया जाएगा। पुलों की मरम्मत के लिए समय-सीमा तय होगी। साथ ही दिव्यांगजनों और बुजुर्गों की सुविधा के लिए फुट ओवरब्रिज पर रैंप और लिफ्ट लगाना अनिवार्य होगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने पिछले सप्ताह नई मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की। इसके तहत राष्ट्रीय राजमार्गों पर नए फुट ओवरब्रिज (एफओबी) के निर्माण के साथ ही मौजूदा पुलों के उन्नयन, रखरखाव, मरम्मत और उन्हें हटाने के लिए भी नियम तय किए गए हैं। इस पहल का मकसद हाईवे पर होने वाले हादसों को रोकना और पैदल यात्रियों को सड़क पार करने के लिए वैज्ञानिक तरीके से तैयार सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराना है।

प्रदूषण अलर्ट : दिवाली के बाद बच्चों की सेहत को लेकर बढ़ गई टेंशन

नई दिल्ली। दिवाली का हम सभी ने खूब आनंद लिया। घरों में रोशनी हुई, मिठाइयां बंटी और बच्चों ने त्योहार का खूब आनंद लिया, लेकिन अब जश्न खत्म होने के बाद सेहत के लिए चुनौतियां शुरू हो गई हैं। पटाखों-पराली के चलते दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का भयानक प्रकोप देखा जा रहा है। जहरीली हवा ने माता-पिता की चिंता बढ़ा दी है। जिनके घर में नवजात या छोटे बच्चे हैं उनके लिए टेंशन और भी बढ़ गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, प्रदूषण का बढ़ा हुआ स्तर बच्चों के नाजुक फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है। हालात ऐसे हैं कि कई परिवारों ने बच्चों को बाहर ले जाना बंद कर दिया है, घर में एयर प्यूरीफायर लगा रहे हैं। अब सवाल ये है कि आखिर प्रदूषण के इस दौर में छोटे बच्चों को कैसे सुरक्षित रखा जाए?

पाकिस्तान : नेशनल असेंबली के उपचुनाव में आतंकी हाफिज सईद को झटका

एजेंसी । लाहौर

मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद की राजनीतिक पार्टी पाकिस्तान में संसदीय उपचुनाव हार गई है। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने यह चुनाव जीत लिया है। यह उपचुनाव रविवार को पंजाब प्रांत के गुजरांवाला जिले की एनए-77 सीट पर हुआ था। यह इलाका लाहौर से करीब 80 किलोमीटर दूर है। इस सीट पर सांसद महमूद बशीर विर्क के निधन के बाद उपचुनाव कराया गया।

चुनाव आयोग ने सोमवार को नतीजे घोषित किए। इनके मुताबिक, सईद की पार्टी पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) के उम्मीदवार मुहम्मद इब्राहिम गुज्जर को 30 हजार से ज्यादा वोट मिले।



मतदान के दौरान क्या-क्या हुआ?

इस उपचुनाव में मतदान कम हुआ। एक गांव में पूरी तरह चुनाव का बहिष्कार किया गया। इसके अलावा, पीएमएल-एन की पांच महिला सांसदों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। उन पर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप था। पीएमएमएल ने सत्तारूढ़ पीएमएल-एन पर बड़े पैमाने पर चुनाव में धांधली करने का आरोप लगाया। पार्टी ने चुनाव नतीजों को खारिज कर दिया। इस पार्टी ने 2024 के आम चुनाव में भी हिस्सा लिया था। हालांकि, तब भी वह एक भी सीट नहीं जीत सकी थी।

भतीजी से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

दिनाजपुर। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में 12 वर्षीय भतीजी के साथ दुष्कर्म करने और उसकी हत्या के आरोपी दिलीप रॉय की सोमवार सुबह पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद से ही आरोपी फरार था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। करीब चार दिनों की तलाश के बाद पुलिस को उसके रायगंज स्थित परापुकुर गांव में छिपे होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस की टीम ने इलाके में छापेमारी कर उसे पकड़ने की कोशिश की। पुलिस के मुताबिक, छापेमारी के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। गोली पुलिस वैन के टायर में लगी। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलीबारी की, जिसमें दिलीप रॉय गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और मुठभेड़ से जुड़े तथ्यों को भी खंगाला जा रहा है।



ग्रीस के क्रीट द्वीप के पास नाव से मिले 12 प्रवासियों के शव

मोरक्को के झंडे वाले मालवाहक पोत ने 18 लोगों को बचाया

एजेंसी । एथेंस

ग्रीस के क्रीट द्वीप के दक्षिण में सोमवार तड़के प्रवासियों से भरी एक नाव में 12 लोगों के शव बरामद किए गए। ग्रीस के कोस्ट गार्ड के मुताबिक, इसी नाव से 18 लोगों को वहां से गुजर रहे मोरक्को के झंडे वाले एक मालवाहक पोत ने बचाया। मृतकों की पहचान और उनकी मौत के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।कोस्ट गार्ड ने क्रीट के दक्षिण में दो अन्य नावों का भी पता लगाया। इनमें से एक पर करीब 47 और दूसरी पर लगभग 40 लोग सवार थे। पहली नाव को यूरोपीय संघ की सीमा एजेंसी फ्रॉन्टेक्स के विमान ने देखा, जबकि दूसरी का पता ड्रोन की मदद से चला। दोनों नावों पर सवार लोगों को बचाकर क्रीट के दक्षिणी तट पर स्थित एक बंदरगाह पहुंचाया गया।



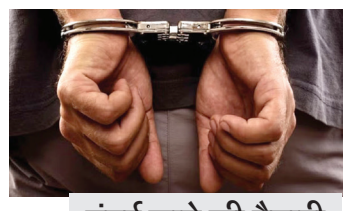
दो अन्य नावों से 87 प्रवासियों का रेस्क्यू

लीबिया से क्रीट तक खतरनाक समुद्री रास्ता

ग्रीस मध्य पूर्व, अफ्रीका और एशिया से यूरोपीय संघ में प्रवेश करने वाले प्रवासियों के प्रमुख मार्गों में शामिल है। हाल के महीनों में हजारों लोग उत्तरी अफ्रीका, खासकर लीबिया से क्रीट तक समुद्र के खतरनाक रास्ते से पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

कोलकाता एयरपोर्ट से टीमसी विधायक गिरफ्तार

दुष्कर्म समेत कई केस में थे फरार



एजेंसी । कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक परेश राम दास को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें कोलकाता एयरपोर्ट से पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि उनके खिलाफ दुष्कर्म, जबरन वसूली और चुनाव के बाद हुई हिंसा से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। बारुईपुर पुलिस की एक विशेष टीम ने उन्हें गिरफ्तार किया। वह काफी समय से फरार थे। वह दक्षिण 24 परगना जिले की कैनिंग पश्चिम विधानसभा सीट से विधायक हैं।

मुंबई जाने की तैयारी में थे विधायक?

पुलिस के मुताबिक, परेश राम दास सोमवार दोपहर कोलकाता एयरपोर्ट पर पकड़े गए। वह मुंबई जाने के लिए विमान पकड़ने वाले थे। एक पुलिस अधिकारी ने पीटीआई से कहा, वह काफी समय से फरार थे। हमारी टीम आज उन्हें एयरपोर्ट से पकड़ने में कामयाब रही। पुलिस विधायक को दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर ले जाएगी। उन्हें मंगलवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

वाहनों में लगेगा 'ब्लैक बॉक्स'

- अक्टूबर 2029 से ईडीआर अनिवार्य करने का प्रस्ताव
- सड़क हादसों की जांच होगी आसान, दुर्घटना से पहले और बाद के तकनीकी आंकड़े करेगा रिकॉर्ड

एजेंसी । नई दिल्ली

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और हादसों के कारणों का सटीक विश्लेषण करने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने नए सुरक्षा उपायों का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत 1 अक्टूबर 2029 से नए वाहनों में इवेंट डेटा रिकॉर्डर (ईडीआर) लगाना अनिवार्य करने की योजना है। हवाई जहाज के ब्लैक बॉक्स की तरह काम करने वाला यह उपकरण दुर्घटना से ठीक पहले, टक्कर के दौरान और उसके बाद के महत्वपूर्ण तकनीकी व सुरक्षा आंकड़े रिकॉर्ड करेगा। इससे हादसों की जांच में पुलिस, बीमा कंपनियों और वाहन निर्माताओं को मदद मिलेगी।



दुर्घटना की वजह जानने में मिलेगी मदद

ईडीआर एक इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा उपकरण है, जो वाहन की विभिन्न सुरक्षा प्रणालियों, जैसे एयरबैग कंट्रोल मॉड्यूल से जुड़ा होता है। सामान्य ड्राइविंग के दौरान यह वाहन के आंकड़ों पर नजर रखता है और गंभीर टक्कर की स्थिति में उससे संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां रिकॉर्ड करता है। इन आंकड़ों से यह समझने में मदद मिलेगी कि हादसा तेज रफ्तार, चालक की गलती या वाहन में आई तकनीकी खराबी के कारण हुआ था। इनके विश्लेषण से वाहन कंपनियां भविष्य में वाहनों के डिजाइन और सुरक्षा प्रणालियों को भी बेहतर बना सकेंगी।

ईडीआर में रिकॉर्ड होंगे ये आंकड़े

ईडीआर के माध्यम से दुर्घटना से पहले और उसके दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकेंगी। इनमें वाहन की गति, एक्सीलेटर का इस्तेमाल, ब्रेक पैडल दबाने की स्थिति और दबाव, स्टीयरिंग व्हील की दिशा व कोण शामिल हैं। इसके अलावा, चालक और यात्रियों ने सीटबेल्ट पहनी थी या नहीं तथा एयरबैग कब और किस तीव्रता से खुले, इसकी जानकारी भी रिकॉर्ड होगी। मंत्रालय ने अन्य सुरक्षा उपकरणों के लिए भी नए मानक प्रस्तावित किए हैं। इनमें इम्मोबिलाइजर शामिल है, जो बिना अधिकृत चाबी या इलेक्ट्रॉनिक पहचान के वाहन का इंजन स्टार्ट होने से रोकता है। चाबी या रिमोट में मौजूद पहचान का वाहन की इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली से मिलान होने के बाद ही इंजन चालू हो सकेगा।

देश को 24.25 लाख हाउस लिस्टिंग ब्लॉक में बांटा गया

नई दिल्ली। जनगणना 2027 के लिए भारत ने अब तक का सबसे बड़ा डिजिटल काम पूरा कर लिया है। दरअसल, देश को 24.25 लाख हाउसलिस्टिंग ब्लॉक (HLB) की मैपिंग स्पेशल सॉफ्टवेयर से कर दी गई है। मतलब पूरे भारत के हर मोहल्ले, हर गांव, हर झुग्गी का डिजिटल पता बन गया। आसान शब्दों में कहें तो हर ब्लॉक में 150-200 घर होंगे। एक ब्लॉक में 800 लोग आएंगे। इन्हीं से जनगणना की बुनियाद तैयार होगी। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया (RGI) और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी राज्यों को भेजी चिट्ठी में ये जानकारी दी है। यह मैपिंग देशभर में की गई है। हाउस-लिस्टिंग ऑपरेशन मणिपुर को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पूरा हो चुका है। जनगणना के दूसरे चरण में इन ब्लॉकों के आधार पर एन्क्यूमरेशन ब्लॉक बनाए जाएंगे। इसके बाद आबादी की गिनती शुरू होगी।



यूनेस्को की रिपोर्ट हर तीन में से एक छात्र बुलिंग का शिकार, एआई से बढ़ रहा साइबर उत्पीड़न का खतरा

दुनिया में बच्चों को डराने-धमकाने के मामले बढ़े

एजेंसी । वाशिंगटन

दुनिया में हर तीन में से एक छात्र हर महीने बुलिंग यानी डराने-धमकाने और परेशान करने का शिकार होता है, जबकि हर दस में से एक छात्र को साइबर बुलिंग का सामना करना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की नई रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल से साइबर बुलिंग के नए तरीके सामने आ रहे हैं, जिससे बच्चों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ गई है।



एआई के जरिए उत्पीड़न के नए तरीके

यूनेस्को की नीति रिपोर्ट 'कनेक्टेड एंड सेफ' के अनुसार, स्कूलों से जुड़े मामलों में अश्लील तस्वीरें बनाने वाले ऐप, आवाज की नकल करने वाली तकनीक, अपने आप परेशान करने वाले संदेश भेजने और बच्चों को ऑनलाइन जाल में फंसाने वाले एआई आधारित ऐप का इस्तेमाल बढ़ रहा है।

44 देशों में साइबर बुलिंग के मामले बढ़े

रिपोर्ट के अनुसार, यूरोप, मध्य एशिया और उत्तरी अमेरिका के 44 देशों में 2018 से 2022 के बीच साइबर बुलिंग के मामले 12 प्रतिशत से बढ़कर 15 प्रतिशत हो गए। यह वृद्धि लड़कों और लड़कियों दोनों में दर्ज की गई। यूनेस्को के महानिदेशक खालिद अल-एनानी ने कहा कि इन आंकड़ों के पीछे लाखों बच्चे हैं, जिनकी पढ़ाई, स्वास्थ्य और खुशहाली प्रभावित हो रही है। इसका असर स्कूल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लंबे समय तक बना रह सकता है।

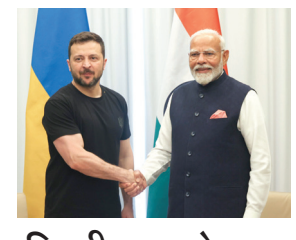
लड़कियां और कमजोर वर्ग अधिक प्रभावित

रिपोर्ट में कहा गया है कि लड़कियां, दिव्यांग विद्यार्थी, अलग-अलग यौन रुझान और लैंगिक पहचान वाले बच्चे तथा सामाजिक रूप से हाशिये पर रहने वाले छात्र बुलिंग से अधिक प्रभावित होते हैं। लड़कों को आमतौर पर शारीरिक हिंसा और प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है, जबकि लड़कियों को मानसिक उत्पीड़न, साइबर बुलिंग और रूप-रंग को लेकर की जाने वाली टिप्पणियों के जरिए निशाना बनाया जाता है। वहीं, अश्लील मजाक, टिप्पणियों और इशारों जैसी यौन प्रकृति की बुलिंग लड़कों और लड़कियों दोनों को लगभग समान रूप से प्रभावित करती है।

रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर मोदी ने जेलेंस्की से बात की

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए किए जा रहे सभी प्रयासों में योगदान देने को तैयार है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, बातचीत में जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री को संघर्ष के हालिया घटनाक्रम से अवगत कराया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का मानवीय दृष्टिकोण दोहराते हुए कहा कि संघर्ष का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए निकाला जाना चाहिए।



द्विपक्षीय सहयोग पर भी हुई चर्चा

बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत और यूक्रेन के बीच द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया। रूस-यूक्रेन संघर्ष जारी रहने के बीच दोनों नेताओं की यह बातचीत कूटनीतिक संपर्क के लिहाज से महत्वपूर्ण है। भारत लगातार इस संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान और संवाद की आवश्यकता पर जोर देता रहा है।